1 कला संकाय

स्नातक भाग प्रथम

अनिवार्य विषय –

1.	सामान्य हिन्दी	2	सामान्य अंग्रेजी
3	प्रारम्भिक कम्प्यूटर	4	पर्यावरण अध्ययन

वैकल्पिक विषय –

1	हिन्दी साहित्य	2	अंग्रेजी साहित्य
3	संस्कृत	4	राजनीति विज्ञान
5	अर्थशास्त्र	6	इतिहास
7	समाजशास्त्र	8	भूगोल

नोट–

1 वैकल्पिक विषय–समूहों का चयन करने से पूर्व निम्नांकित अनुदेश ध्यानपूर्वक पढ़ें और इसकी पालना करें।

2 कला संकाय में निम्नलिखित वैकल्पिक विषय–समूहों में से पाँच समूहों का वरीयता क्रम में चयन करें।

3 राज्य सरकार के निर्देशानुसार वर्तमान में स्नातक प्रथम वर्ष कला संकाय में 10 वर्ग स्वीकृत है तथा प्रत्येक वर्ग में 80 सीट निर्धारित है।

4 **वैकल्पिक विषय–समूह एवं कोड संख्या** –

Sr.No.	Course Name	First Subject	Second Subject	Third Subject
1	BA Part I	Hindi Literature	Geography	English Literature
2	BA Part I	Hindi Literature	History	Sanskrit
3	BA Part I	Hindi Literature	Political Science	English Literature
4	BA Part I	Hindi Literature	Political Science	History
5	BA Part I	Hindi Literature	Political Science	Sanskrit
6	BA Part I	Hindi Literature	Political Science	Sociology
7	BA Part I	History	Geography	Economics
8	BA Part I	History	Sociology	Economics
9	BA Part I	Political Science	English Literature	Economics
10	BA Part I	Political Science	Geography	Sanskrit

नोट–

स्नातक प्रथम वर्ष कला के विद्यार्थी प्रवेश फार्म भरते समय वैकल्पिक विषयों का चयन उपर्युक्त विषय–समूह के अनुसार ही करें। साथ ही यह ध्यान रखें कि प्रवेश फार्म पर वैकल्पिक समूह चयन में अपनी पाँच वरीयता अंकित करें।

स्नातक भाग द्वितीय व तृतीय में विषय–समूह, इस संस्था के स्नातक भाग प्रथम (कला संकाय) में चयनित वैकल्पिक विषय समूह ही मान्य होगा।

2. वाणिज्य–संकाय

1 स्नातक भाग प्रथम

अनिवार्य विषय – 1 सामान्य हिन्दी 2 सामान्य अंग्रेजी
3 प्रारम्भिक कम्प्यूटर 4 पर्यावरण अध्ययन

ऐच्छिक विषय– 1 लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी 2 व्यावसायिक प्रशासन
3 आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबन्धन

2 **स्नातक भाग द्वितीय व तृतीय** में विषय–समूह, इस संस्था के स्नातक भाग प्रथम (वाणिज्य संकाय) में चयनित वैकल्पिक विषय समूह ही मान्य होगा।

विशेष नोट –

क स्नातक के समस्त संकायों की कक्षा में जिन प्रश्न–पत्रों के पाठयक्रम में विकल्प की व्यवस्था है, छात्र उनमें केवल उसी विकल्प का अध्ययन करेंगे जिसे संबंधित विभाग द्वारा इस संस्था में अध्ययन हेतु मान्य किया जावेगा।

ख **राज्य सरकार के निर्देशानुसार वर्तमान में स्नातक प्रथम वर्ष वाणिज्य– संकाय में 01(एक) वर्ग स्वीकृत है तथा 80 सीट निर्धारित है।**

3. विज्ञान–संकाय

1 स्नातक भाग प्रथम

अनिवार्य विषय – 1 सामान्य हिन्दी 2 सामान्य अंग्रेजी
3 प्रारम्भिक कम्प्यूटर 4 पर्यावरण अध्ययन

ऐच्छिक विषय–

जीव विज्ञान समूह	**गणित समूह**
1 रसायन शास्त्र	1 भौतिक शास्त्र
2 वनस्पति शास्त्र	2 रसायन शास्त्र
3 प्राणी शास्त्र	3 गणित

2 स्नातक भाग द्वितीय व तृतीय में विषय–समूह, इस संस्था के स्नातक भाग प्रथम (विज्ञान संकाय) में चयनित वैकल्पिक विषय समूह ही मान्य होगा।

विशेष नोट –

1 विज्ञान संकाय के विद्यार्थी सी. सै. कक्षा के समूह में ही प्रवेश के पात्र होंगे।

2 **वर्तमान समय में विज्ञान संकाय के स्नातक प्रथम वर्ष के गणित व जीव विज्ञान समूह में एक – एक वर्ग है तथा प्रत्येक वर्ग में 70 सीट है।**

4. स्नातकोत्तर कक्षाएँ

1 **राजनीति विज्ञान एवं हिन्दी साहित्य – पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध**

नोट – राज्य सरकार के निर्देशानुसार वर्तमान में स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान पूर्वार्द्ध में 01(एक) वर्ग स्वीकृत है जिसमें 60 सीट निर्धारित है।

UNIVERSITY OF RAJASTHAN
JAIPUR

SYLLABUS

M. A. HINDI

(Annual Scheme)

M.A. (Previous) Examination -2020
M.A. (Final) Examination - 2021

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

1A

SCHEME OF EXAMINATION
(Annual Scheme)

Each Theory Paper	**3 hrs. duration**	**100 Marks**
Dissertation Thesis/ Survey Report/ Field Work, if any.		**100 Marks**

2. The number of papers and the maximum marks for each paper/practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in the practical part (wherever prescribed) of a subject/paper separately.

3. A candidate for a pass at each of the Previous and the Final Examinations shall be required to obtain (i) atleast 36% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the examination and (ii) atleast 36% marks in practical(s) wherever prescribed at the examination, provided that if a candidate fails to secure atleast 25% marks in each individual paper at the examination and also in the dissertation/ survey report/field work, wherever prescribed, he shall be deemed to have failed at the examination , notwithstanding his having obtained the minimum percentage of marks required in the aggregate for that examination. No division will be awarded at the Previous Examination. Division shall be awarded at the end of the Final Examination on the combined marks obtained at the Previous and the Final Examinations taken together, as noted below:

First Division 60% }	of the aggregate marks taken together
Second Division 48%	of the Previous and the Final Examinations.

All the rest will be declared to have passed the examination.

4. If a candidate clears any papers(s) / Practical's) / Dissertation prescribed at the Previous and/or Final Examination after a continuous period of three years, then for the purpose of working out his division the minimum pass marks only viz. 25% (36% in the case of practical) shall be taken into account in respect of such Paper(s) / Practical(s)/ Dissertation are cleared after the expiry of the aforesaid period of three years; provided that in case where a candidate requires more than 25% marks in order to each the minimum aggregate as many marks out of those actually secured by him will be taken into account as would enable him to make up the deficiency in the requisite minimum aggregate.

5. The Thesis/ Dissertation! Survey Report Field Work shall be type-written and submitted in triplicate so as to reach the office of the Registrar at least 3 weeks before the commencement of the theory examinations. Only such candidates shall be permitted to offer Dissertation/ Field Work! Survey Report Thesis (if provided in the scheme of examination) in lieu of a paper as have secured at least 55% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the previous examination in the case of annual scheme and I and II semester examinations taken together in the case of semester scheme, irrespective of the number of papers in which a candidate actually appeared at the examination.

N.B. Non-collegiate candidates are not eligible to offer dissertation as per provisions of O. 170-A.

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र	:	हिन्दी साहित्य का इतिहास
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	मध्यकालीन काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	हिन्दी गद्य (उपन्यास,कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ)

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र	:	हिन्दी गद्य (नाटक, निबंध एवं आलोचना)
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	प्राचीन एवं निर्गुण काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	भाषा विज्ञान
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	आधुनिक काव्य
पंचम प्रश्न पत्र	:	विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)

Raj | Jai
Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

हिन्दी साहित्येतिहास के लेखन का इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन काव्यधाराएं– सिद्धनाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति की कीर्तिलता और पदावली, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएं।

मध्यकाल : भक्ति आंदोलन, उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य।

हिन्दी संत काव्य – वैचारिक आधार, भारतीय धर्म साधना और हिन्दी का संत काव्य, प्रमुख संत कवि – कबीर, नानक, दादू, रैदास, रज्जब, तथा जम्भनाथ।
हिन्दी सूफी काव्य–वैचारिक आधार, हिन्दी में प्रेमाख्यानों की परम्परा, सूफी प्रेमाख्यान का स्वरूप, हिन्दी का सूफी काव्य, प्रमुख सूफी कवि –मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन तथा जायसी।

हिन्दी कृष्ण काव्य – वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, कृष्ण भक्ति शाखा के कवि और काव्य। प्रमुख कवि – सूरदास, नन्ददास, मीरा, रसखान।
हिन्दी राम काव्य – वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य।
रीतिकाल – नामकरण की समस्या, तत्कालीन दरबारी संस्कृति और रीतिकाल, प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध) रीतिकाल के प्रमुख कवि – केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव, घनानन्द तथा पद्माकर।

आधुनिक काल का काव्य :
1857 की क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल। द्विवेदी युग – महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, प्रमुख काव्यधाराएँ – छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।
आधुनिक काल का गद्य साहित्य :
उपन्यास, कहानी, नाटक, आलोचना, निबंध एवं अन्य विधाएँ

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न	(20 x 4 – 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा।	(10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।	

अनुशंसित ग्रंथ :

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ.नगेन्द्र (स)
आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ.लक्ष्मीसागर वर्ष्णेय
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ.रामकुमार शर्मा
हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

द्वितीय प्रश्न पत्र : मध्यकालीन काव्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. भ्रमरगीत सार : सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल (पद संख्या 164 से 214 तक कुल 50 पद)
2. विनय पत्रिका : गीता प्रेस गोरखपुर (पद संख्या 76 से 116 तक कुल 40 पद)
3. बिहारी रत्नाकर : 101 से 200 तक
4. दादूदयाल : श्री दादूवाणी– सं रामप्रसाद दास स्वामी, प्रकाशक दादूदयालु महासभा,जयपुर। अथ राग असावरी, पद संख्या 213 से 245 तक
5. घनानन्द कवित्त : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, प्रकाशन (प्रारम्भ के 50 पद)
6. मीरा मुक्तावली : सम्पादक नरोत्तम स्वामी, श्रीराम मेहरा, आगरा (पद संख्या 26 से 75)

अंक विभाजन :

कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक कवि से व्याख्या पूछी जायेगी। विकल्प देय होगा (10 X 4 =40 अंक)
कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न। प्रत्येक कवि से प्रश्न अपेक्षित है। विकल्प देय होगा। (15 X 4 = 60 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. सूर का भ्रमरगीत : डॉ.शंकरदेव अवतरे
2. सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा
3. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय : डॉ.दीनदयालु गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन।
4. सूर की काव्य कला : डॉ.मनमोहन गौतम, भारतीय साहित्य मंदिर दिल्ली।
5. तुलसी : डॉ. उदयभानु सिंह
6. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नगरी प्रचारिणी सभा।
7. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाराणसी।
8. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ.बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. स्वच्छंद काव्यधारा और घनानन्द : डॉ.मनोहरलाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
10. आनन्द घन : डॉ.रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
11. मीरा पदावली : डॉ.शम्भू सिंह मनोहर
12. मीराबाई : पदमावती शबनम
13. उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी
14. श्री दादूपंथ का परिचय – प्रथम, द्वितीय, तृतीय भाग – स्वामी नारायणदास।
15. संत साहित्य की रूपरेखा – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी।

Raj 1 Jan
Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

तृतीय प्रश्न पत्र : साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

क. साहित्य की परिभाषा, साहित्य की प्रमुख विधाओं के सैद्धान्तिक स्वरूप और विवेचना – प्रबन्धकाव्य (महाकाव्य, खण्डकाव्य), मुक्तक काव्य (गीति काव्य, प्रगीतिकाव्य) उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, आत्मकथा, जीवनी, रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्ताज।

ख. भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास एवं काव्यशास्त्र के विविध सम्प्रदाय : रस, ध्वनि, वक्रोक्ति, रीति, अलंकार, औचित्य।

ग. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – प्लेटो, अरस्तु, लौंजाइन्स, इलियट, क्रोचे, मार्क्स और आई.ए. रिचर्ड्स के काव्य सिद्धान्त।

घ. हिन्दी के प्रमुख आलोचक – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा,, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, डॉ.नगेन्द्र, रामस्वरूप चतुर्वेदी।

ड. आलोचना (सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक)
1. हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास
2. हिन्दी का आलोचना शास्त्र – पाठालोचन, सैद्धान्तिक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोवैज्ञानिक, नयी समीक्षा।

अंक विभाजन :

क. प्रथम चार इकाइयों से एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। (20 X 4 = 80 अक)

ख पांचवी इकाई से टिप्पणीपरक प्रश्न पूछा जायेगा। (कुल दो टिप्पणियाँ) (10 X 2 =20 अंक)
प्रत्येक प्रश्न का आंतरिक विकल्प देय होगा।

अनुशंसित ग्रंथ :
1. साहित्यालोचन : श्यामसुन्दर दास
2. काव्यशास्त्र : डॉ.भागीरथ मिश्र
3. भारतीय साहित्यशास्त्र भाग एक : बलदेव उपाध्याय
4. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ.नगेन्द्र
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : तारकनाथ बाली
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : शांतिस्वरूप गुप्त
8. समीक्षालोक : डॉ.भागीरथ मिश्र
9. पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
10. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
11. भारतीय काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी।

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी गद्य (उपन्यास,कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ)

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. गोदान : प्रेमचन्द
2. बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा
4. निर्धारित आधुनिक कहानियाँ :

दोपहर का भोजन	–	अमरकान्त
खोई हुई दिशाएँ	–	कमलेश्वर
बीच बहस में	–	निर्मल वर्मा
ठेस	–	फणीश्वरनाथ रेणु
अमृतसर आ गया	–	भीष्म साहनी
यही सच है	–	मन्नू भण्डारी
एक और जिन्दगी	–	मोहन राकेश
जहाँ लक्ष्मी कैद है	–	राजेन्द्र यादव
प्रेत मुक्ति	–	शैलेश मटियानी
भेड़िए	–	भुवनेश्वर
हंसा जाई अकेला	–	मार्कण्डेय
कोसी का घटवार	–	शेखर जोशी
विनाशदूत	–	मृदुला गर्ग
पच्चीस चौका डेढ़ सौ	–	ओमप्रकाश वाल्मीकि

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक खण्ड से एक–एक (10 X 4 =40 अंक)
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न : प्रत्येक से एक–एक (15 X 4 =60 अंक)
   आन्तरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

1. प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान : कमलकिशोर गोयनका
2. गोदान : गोपालराय
3. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : संपादक भीष्म साहनी और रामजी मिश्र
4. हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियाँ, डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
5. हिन्दी उपन्यास : शिवनारायण श्रीवास्तव
6. मन्नू भण्डारी का कथा साहित्य, गुलाबराव हाड़े
7. नई कहानी : संवेदना और शिल्प : राजेन्द्र यादव
8. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेन्द्र तिवारी
9. हिन्दी कहानी . अंतरंग पहचान : डॉ.रामदरश मिश्र
10. एक दुनिया समानान्तर : सम्पादक राजेन्द्र यादव
11. प्रतिनिधि कहानियाँ : स्वयंप्रकाश
12. कहानी : नई कहानी : डॉ.नामवर सिंह
13. कथाकार मन्नू भण्डारी . अनीता राजूरकर

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी गद्य (नाटक, निबंध एवं आलोचना)

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. अंधेरी नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. 'स्कन्दगुप्त' : जयशंकर प्रसाद
3. माधवी – भीष्म साहनी
4. आठवां सर्ग – सुरेन्द्र वर्मा
5. निर्धारित निबंध : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है (बालकृष्ण भट्ट), उत्साह (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), देवदारू(आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), उत्तराफाल्गुनी के आस–पास (कुबेरनाथ राय)
6. आलोचनात्मक निबंध : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), साहित्य का मर्म (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), प्रसाद और निराला (आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी) और रस–सिद्धान्त के विरूद्ध आक्षेप और उनका सामाधान (डॉ.नगेन्द्र)।

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक इकाई से एक व्याख्या अपेक्षित है (9 x 4 = 36 अंक)
   आंतरिक विकल्प देय
2. कुल तीन आलोचनात्मक प्रश्न : प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अपेक्षित है (16 x 3 = 48 अंक)
   अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। आंतरिक विकल्प देय (8 x 2 = 16 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

आज के रंग नाटक : गिरीश रस्तोगी
अंधेर नगरी : सं. गिरीश रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन
रंग दर्शन : नेमीचन्द जैन
हिन्दी निबंध : उद्भव और विकास : डॉ.ओंकरनाथ शर्मा
श्रेष्ठ हिन्दी निबंधकार : डॉ.सुरेश गुप्ता
आलोचक की आस्था : डॉ.नगेन्द्र
आलोचना के आधार स्तम्भ : सम्पादक रामेश्वलाल खण्डेलवाल और डॉ. सुरेशचन्द्र गुप्त
आलोचक और आलोचना : डॉ.बच्चन सिंह
हिन्दी आलोचना : प्रकृति और परिवेश : डॉ.तारकनाथ बाली
हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
देवेन्द्रराज अंकुर – पहला रंग
जगन्नाथ शर्मा – जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

द्वितीय प्रश्न पत्र : प्राचीन एवं निर्गुण काव्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यपुस्तकें :

1. पृथ्वीराज रासो – चंदवरदाई – कैमास करनाटी प्रसंग
   संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो – सं हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. विद्यापति : डॉ.शिवप्रसाद सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहबाद (पद संख्या – 2, 3, 4, 5, 8, 10, 11, 16, 19, 26, 36, 40, 47, 48, 53, 54, 55, 56, 58, 60, 79, 81, 82, 95, 100 कुल 25 पद)
3. जायसी ग्रंथावली : संपादक – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा (पद्वात से सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड तथा नागमती–वियोग खण्ड)
4. कबीर : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन (पद संख्या 1, 2, 5, 10, 11, 12, 14, 22, 35, 39, 42, 49, 55, 57, 66, 68, 69, 70, 76, 87, 94, 104, 108, 112, 130, 134, 140, 141, 153, 156, 160, 162, 163, 165, 166, 168, 173, 183, 199, 250 कुल 40 पद)

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ : आन्तरिक विकल्प देय (9 x 4 = 36 अंक)
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न।प्रत्येक इकाई से प्रश्न अपेक्षित है।
   आन्तरिक विकल्प देय (16 x 4 = 64 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

विद्यापति : डॉ.आनन्द प्रकाश दीक्षित
विद्यापति : डॉ.शूभकार कपूर
विद्यापति वाग्विलास : डॉ. गुणानन्द जुयाल, कुमार प्रकाशन बरेली
जायसी : विजयदेवनारायण साही
पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन : डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना
कबीर : विजेन्द्र स्नातक
कबीर साहित्य की परख : गोविन्द त्रिगुणायत
नानक वाणी : सम्पादक जयराम मित्र, लोकभारती प्रकाशन
राजस्थान का संत साहित्य : पुरुषोत्तम मेनारिया
राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ.हीरालाल माहेश्वरी
हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : डॉ. पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
उत्तरी भारत की संत परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

तृतीय प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

प्रथम इकाई :

1. भाषा : अर्थ, महत्व, विशेषताएं, परिवर्तन के कारण
2. भाषा के विविध रूप
3. भाषा विज्ञान से तात्पर्य, ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध
4. भाषा विज्ञान के विविध अंग – मूल अवधारणा एवं सामान्य परिचय, ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञापन एवं शब्द विज्ञान।

द्वितीय इकाई :

1. अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ
2. ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएँ – ध्वनियों का वर्गीकरण
3. रूप परिवर्तन एवं वाक्य परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

तृतीय इकाई :

1. भारत के विविध भाषा परिवार – आर्य, द्रविड़, कोल एवं नाग
2. प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाएं – वैदिक, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट, पुरानी हिन्दी
3. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : वर्गीकरण
4. हिन्दी की उपभाषाएं एवं बोलियाँ
5. राजभाषा हिन्दी

चतुर्थ इकाई :

1. हिन्दी व्याकरण का इतिहास
2. हिन्दी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण एवं परसर्गों का विकास
3. हिन्दी की बोलियाँ एवं उनकी विशेषताएं।
4. हिन्दी व्याकरण चिन्तक और चिन्तन
   1. कामता प्रसाद गुरु
   2. किशोरी दास वाजपेयी

पंचम इकाई :

1. लिपि की परिभाषा
2. लिपि और भाषा का संबंध
3. लिपि के विकास का इतिहास – चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि लिपि, ब्राह्मी लिपि तथा खरोष्ठी लिपि की विशेषताएँ
4. देवनागरी लिपि का उद्‌भव और विकास
5. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ
6. देवनगारी लिपि का मानकीकरण

अंक विभाजन :

सम्पूर्ण पाठ्यकम पॉच इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई से प्रश्न पूछा जायेगा। अंतिम इकाई से 10–10 अंकों की टिप्पणियां पूछी जायेगी। आंतरिक विकल्प देय होगा।

(20 x 4 = 80)
(10 x 2 = 20)

Raj [signature]

Dy. Registrar
Univ... JAIPUR

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान : डॉ.भोलनाथ तिवारी, किताब महल, इलाहबाद
2. भाषा विज्ञान : डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
3. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
4. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ.धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडेमी
5. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास : डॉ. उदयनारायण तिवारी
6. हिन्दी की बोलियाँ एवं उपभाषाएं : डॉ.हरदेव बाहरी
7. भाषा और भाषिकी : देवीशंकर द्विवेदी
8. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र : डॉ.कपिलदेव द्विवेदी
9. राजस्थानी भाषा : डॉ.सुनीति कुमार चटर्जी, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर
10. हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक व्याकरण : डॉ.माताबदल जायसवाल
11. हिन्दी भाषा और साहित्य : डॉ.भोलानाथ तिवारी
12. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी : डॉ.रामविलास शर्मा
13. भाषा विज्ञान : संपादक डॉ.राजमल बोरा, मयूर पेपरबैक्स

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

चतुर्थ प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. कामायनी : जयशंकर प्रसाद – (चिन्ता तथा श्रद्धा सर्ग)
2. राग–विराग : संपादक–डॉ.रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (राम की शक्ति पूजा, शीर्षक कविता)
3. आंगन के पार द्वार : अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ (असाध्य वीणा कविता)
4. चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ (ब्रह्म राक्षस शीर्षक कविता)
5. आत्मजयी – कुँवरनारायण

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक इकाई से व्याख्या अपेक्षित है। आन्तरिक विकल्प देय।

(9 x 4 = 36)

2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न। प्रत्येक इकाई से प्रश्न अपेक्षित है। आन्तरिक विकल्प देय।

(16 x 4 = 64)

अनुशंसित ग्रंथ :

कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ : डॉ.नगेन्द्र

कामायनी : एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध

कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन : डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना

निराला की साहित्य साधना : डॉ.रामविलास शर्मा

निराला : आत्महंत आस्था : दूधनाथ सिंह

अज्ञेय : विश्वनाथ तिवारी

लम्बी कविताओं का शिल्प विधान : नरेन्द्र मोहन

मुक्तिबोध : अशोक चक्रधर

समकालीन काव्य यात्रा -- नंद किशोर नवल

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

पंचम प्रश्न पत्र : विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)

(क) कवि, साहित्यकार

(1) तुलसीदास

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. रामचरित मानस : गीताप्रेस गोरखपुर – उत्तरकाण्ड
2. विनय पत्रिका : गीताप्रेस गोरखपुर – पद संख्या– 155 से 200 तक
3. गीतावली : गीताप्रेस गोरखपुर
4. कवितावली : गीताप्रेस गोरखपुर

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से एक–एक। (9 x 4 = 36) अंक
2. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न – रामचरित मानस में से एक प्रश्न, विनय पत्रिका में से एक प्रश्न, गीतावली अथवा कवितावली में से एक प्रश्न और एक प्रश्न कवि की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि से संबंधित। (16 x 4 = 64) अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
तुलसीदास और उनका युग :राजपति दीक्षित
तुलसीदास : डॉ.माताप्रसाद गुप्त
तुलसीदास : रासबिहारी शुक्ल
तुलसीदास : चन्द्रबली पाण्डेय
रामचरित मानस का काव्यशास्त्रीय अनुशीलन : डॉ.रामकुमार पाण्डेय
तुलसीदर्शन : बलदेव प्रसाद मिश्र
तुलसी–काव्य–मीमांसा : डॉ उदयभानु सिंह

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

(क) (2) सूरदास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. सूर पंचरत्न : सं. लाला भगवानदीन
2. भ्रमरगीत सार : सं. रामचन्द्र शुक्ल – प्रारंभ से 100 पद
3. साहित्य लहरी
4. सूर सारावली

अंक विभाजन

1. चारों ग्रथों से एक–एक व्याख्या पूछी जायेगी। कुल चार व्याख्याएँ (9 x 4 = 36) अंक
2. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न – सूर पंचरत्न से एक, भ्रगरगीत सार से एक, साहित्य लहरी अथवा सूरसारावली से एक, और कवि की जीवनी परिवेश तथा वैचारिक पृष्भभूमि पर आधारित एक प्रश्न। (16 x 4 = 64) अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

कृष्णदास और सूरदास : डा.प्रेमशंकर
सूरदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
सूर निर्णय : प्रभुदयाल मीतल
सूर सौरभ : डॉ.मुंशीराम शर्मा
सूरदास की काव्य–कला : डॉ.मनमोहन गोतम
सूर और उनका साहित्य : डॉ.हरवंशलाल शर्मा
सूरदास : डॉ.ब्रजेश्वर वर्मा
सूर साहित्य की भूमिका : डॉ.रामरतन भटनागर
सूरदास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
सूरदास : संपादक हरवंशलाल शर्मा

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा

(क) (3) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. निर्धारित कविताएँ – प्रेम माधुरी, प्रेम तरंग, विनय प्रेम, प्रेम पचासा, मानसोपायन, भारत वीरत्व, विजयनी विजय वैजयन्ती, नये जमाने की मुकरी, प्रातः समीकरण, बकरी विलाप और हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान।
2. मुद्रा राक्षस (अनूदित)
3. सत्य हरिश्चन्द्र
4. निर्धारित निबंध – भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है और "नाटक" शीर्षक निबंध।

अंक विभाजन

1. भारतेन्दु के पाठ्यग्रंथों से संबंधित चार व्याख्याएँ पूछी जायेगी। (9 x 4 = 36) अंक
2. भारतेन्दु की जीवनी तथा युगीन परिवेश से संबंधित एक प्रश्न, नाटकों से संबंधित एक प्रश्न, काव्य से संबंधित एक प्रश्न और निबंधों से संबंधित एक प्रश्न, कुल चार प्रश्न। (16 x 4 = 64) अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

भारतेन्दु समग्र : हिन्दी प्रकाशन संस्थान

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ीाग एक : ब्रजरत्नदास, हिन्दुस्तानी ऐकेडमी, इलाहाबाद

भारतेन्दु कला : प्रेमनारायण शुक्ल

भारतेन्दु की विचारधारा : डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा : रामविलास शर्मा

भारतेन्दु की भाषा और शैली : गोपाल खन्ना

भारतेन्दु ग्रंथावली : संपादक ब्रजरत्नदास

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा

(क) (4) जयशंकर प्रसाद

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. कामायनी से संघर्ष और आनन्द सर्ग
2. चन्द्रगुप्त
3. काव्यकला तथा अन्य निबंध
4. आकाशदीप (कहानी संग्रह)

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ – प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से एक (9 x 4 = 36) अंक
2. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न – कामायनी से एक प्रश्न, "चन्द्रगुप्त" से एक प्रश्न, काव्यकला तथा अन्य निबंध अथवा "आकाशदीप" से एक प्रश्न।कवि की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि से एक प्रश्न। (16 x 4 = 64) अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

प्रसाद के नाटकों का ऐतिहासिक अध्ययन : डॉ.जगदीश चन्द्र जोशी

जयशंक प्रसाद : नन्ददुलारे वाजपेयी

प्रसाद की काव्य – साधना : रामनाथ सुमन

प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ.जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

लहर सुधा निधि : डॉ.मधुर मालती सिंह

प्रसाद साहित्य में प्रेम तत्व : प्रभाकर श्रोत्रिय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला – डॉ. रामेश्वर खण्डेवाल

प्रसाद और उनका साहित्य – विनोद शंकर व्यास

प्रसाद का काव्य – डॉ. प्रेम शंकर

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा

(क) (5) अज्ञेय

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

1. एक बूँद सहसा उछली
2. कितनी नावों में कितनी बार
3. भवन्ती
4. शेखर : एक जीवनी : भाग एक व दो

अंक विभाजन

3. कुल चार व्याख्याएँ प्रत्येक पाठ से एक–एक। (9 x 4 = 36) अंक
4. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न – कितनी नावों में कितनी बार से एक प्रश्न, शेखर : एक जीवनी से एक प्रश्न, एक बूँद सहसा उछली अथवा भवन्ती से एक प्रश्न। एक प्रश्न कवि की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि से। (16 x 4 = 64) अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

अज्ञेय : संपादक – विद्या निवास मिश्र

अज्ञेय : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन : डॉ.केदार शर्मा

अज्ञेय का काव्य : एक पुनर्मूल्यांकन : शम्भुनाथ चतुर्वेदी

अज्ञेय का कथा साहित्य : ओम प्रभाकर

अज्ञेय के उपन्यास : प्रकृति और प्रस्तुति : डॉ.केदार शर्मा

शेखर : एक जीवनी : विविध आयाम : सम्पादक राम कमल राय

शेखर :एक जीवनी महत्व :परमानन्द श्रीवास्तव

शब्द पुरुष अज्ञेय : नरेश मेहता

अज्ञेय का संसार : शब्द और सत्य : संपादक – अशोक वाजपेयी

Raj Jain
Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

(क) (6) प्रेमचन्द

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. कुछ विचार (निबंध)
2. मानसरोवर (प्रथम खण्ड)
3. रंगभूमि
4. गबन

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ – प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से एक–एक (9 x 4 = 36) अंक
2. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न – 'गबन' से एक प्रश्न, रंगभूमि से एक प्रश्न, 'मानसरोवर से एक प्रश्न तथा कुछ विचार से एक प्रश्न, रचनाकार की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक प्रश्न। (16 x 4 = 64) अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

प्रेमचन्द और उनका युग : डॉ.रामविलास शर्मा

प्रेमचन्द साहित्य कोष : कमल किशोर गोयनका

कलम का सिपाही : अमृतराय

विविध प्रसंग : अमृतराय

कलम का मजदूर : मदनगोपाल

प्रेमचन्द घर में : शिवरानी

प्रेमचन्द : संपादक विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

प्रेमचन्द : जीवन और कृतित्व : हंसराज रहबर

किसान, राष्ट्रीय आंदोलन और प्रेमचंद : वीर भारत तलवार

प्रेमचन्द के उपन्यास साहित्य में सांस्कृतिक चेतना : नित्यानन्द पटेल

प्रेमचन्द : साहित्यिक विवेचन – नंद दुलाने वाजपेयी

कथाकार प्रेमचन्द – मन्मथनाथ गुप्त

प्रेमचन्द के साहित्य सिद्धान्त – नरेन्द्र कोहली

प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प–विधान – डॉ. कमल किशोर गोयनका

रंगभूमि : नये आयाम – डॉ. कमल किशोर गोयनका

प्रेमचन्द : विश्वकोश (दो खण्ड) – डॉ. कमल किशोर गोयनका

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा (ख) भाषाएँ – कोई एक भाषा

(1) उर्दू

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. माजामीने चक–बस्त
2. मुसद्दसे हाली–हाली
3. मुकद्दमा – ए – शेरो–शायरी–हाली

अंक विभाजन

1.	प्रत्येक पाठ्यपुस्तक में से एक–एक व्याख्या होगी।	36 अंक
2.	प्रत्येक पाठ्यपुस्तक पर एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न	48 अंक
3.	उर्दू साहित्य के इतिहास से संबंधित एक प्रश्न	16 अंक

सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

तारीखे अदब उर्दू–राम बाबू सक्सेना – अनुवाद मिर्जा मुहम्मद अस्करी (अध्याय 1,2,3 पृष्ठ 1 से 57)

उर्दू साहित्य का इतिहास – एजाज हुसैन – अंजुमन तरक्की ए उर्दू, अलीगढ़।

उर्दू साहित्य की झलक –डॉ.फजले इमाम, प्र. राजस्थान प्रकाशन मंदिर,जयपुर।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा (ख) (2) मराठी

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. शकुन्तला – किर्लोस्कर
2. उषाकाल – हरिनारायण आप्टे
3. अभिनव काव्यमाला भाग 4, केलकर
4. निबंधमाला, भाग एक – जी.जी. आगस्कर

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक पुस्तक से एक–एक रूपान्तरण या व्याख्या पूछी जायेगी। (कुल चार रूपान्तरण या व्याख्याएँ) 36 अंक
2. शकुन्तला से एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
3. उषाकाल से समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
4. अभिनव काव्यमाला से एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
5. निबंधमाला से एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक

सभी प्रश्नों के आंतिरक विकल्प देय

अथवा (ख) (3) बंगला

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. संचयिता – रवीन्द्रनाथ ठाकुर
2. आनन्दमठ – बंकिमचन्द्र चट्टर्जी
3. भारत महिला – हरप्रसाद शास्त्री
4. चन्द्रगुप्त – द्विजेन्द्र लाल राय

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक पुस्तक से एक–एक रूपान्तरण या व्याख्या पूछी जायेगी। (कुल चार रूपान्तरण या व्याख्याएँ) 36 अंक
2. संचयिता से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
3. आनन्दमठ से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
4. भारत महिला से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
5. चन्द्रगुप्त से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक

सभी प्रश्नों के आतिरक विकल्प देय

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा (ख) (4) गुजराती

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. गुजरात नौ नाथ – कन्हैयालाल माणिक्यलाल मुंशी
2. ओतराती दीवालो – काका कालेलकर
3. पारिजात (पारीजात) – पूजालाल

अंक विभाजन :

1. व्याख्या या रूपान्तरण के लिए तीन अवतरण, प्रत्येक पुस्तक से एक–एक (9 x 4 = 36) अंक

   प्रत्येक पुस्तक पर आधारित एक–एक समीक्षात्मक एवं एक प्रश्न गुजराती व्याकरण या इतिहास से संबंधित। सभी प्रश्नों के आंतिरक विकल्प देय (16 x 4 = 64) अंक

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा (ग) आधारभूत भाषाएँ (कोई एक भाषा)

(1) संस्कृत

समय : 3 घण्टे　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. किरातार्जुनीयम – भारवि (प्रथम सर्ग)
2. अभिज्ञान शाकुन्तलम – प्रथम चार अंक – कालिदास
3. कादम्बरी कथा मुखम् – बाणभट्ट

व्याकरण :

1. व्याकरण प्रवेशिका – डॉ.बाबूराम सक्सेना
2. संस्कृत रचनानुवाद कौमुदी – डॉ.कपिलदेव द्विवेदी

अंक विभाजन :

1. एक प्रश्न व्याख्याओं या रूपान्तरों से संबंधित होगा। 'अभिज्ञान शाकुन्तलम' से दो तथा शेष पुस्तकों में से एक–एक व्याख्या या रूपान्तर पूछा जायेगा।　　28 अंक

   प्रत्येक पुस्तक से संबंधित एक–एक समीक्षात्मक प्रश्न होगा एवं एक प्रश्न व्याकरण से संबंधित होगा। सभी प्रश्नों के आंतिरक विकल्प देय　　72 अंक

Raj Jain
Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा (ग) (2) पालि भाषा

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. पालिजातकावली – बटुकनाथ शर्मा
2. धम्मपद – प्रथम दश बग्ग

व्याकरण :

1. पालि प्रबोध – अद्यादत्त ठाकुर, गंगा पुस्तक माला, लखनऊ।
2. ए मैनुअल ऑफ पालि – सी.बी.जोशी, ओरियन्ट बुक एजेन्सी, पूना।
3. पालि व्याकरण – भिक्षुधर्मरक्षित

इतिहास :

1. पालि साहित्य का इतिहास – भरत सिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. पालि भाषा और साहित्य – डॉ. इन्दु चन्द्र शास्त्री, प्र. हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

अंक विभाजन :

1. चार व्याख्यायें अथवा चार अनुवाद, प्रत्येक पुस्तक से दो–दो अवतरण व्याख्या अथवा अनुवाद के लिए चुने जायेंगे — 28 अंक
2. दो प्रश्न पाठय पुस्तकों पर — 36 अंक
3. पालि साहित्य से संबंधित एक प्रश्न — 18 अंक
4. एक प्रश्न व्याकरण से संबंधित होगा — 18 अंक

सभी प्रश्नों के आंतिरक विकल्प देय।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा (ग) (3) प्राकृत

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. पाइयगज्ज संग्रहो – (कथा 3,5,6,7,9 व 13) सं. डॉ.राजाराम जैन, प्राच्य भारती प्रकाशन, आरा (बिहार)
2. बज्जालग्ग में जीवन मूल्य – सं. डॉ.कमल चन्द सौगाणी, प्र. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
3. समणसुक्त चयनिका – सं. डॉ.कमल चन्द सौगाणी, प्र.प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर प्रारम्भ की 100 गाथायें।

अंक विभाजन :

1. चार व्याख्याएं – 'पाइयगज्ज संग्रहो' से दो, 'बज्जालग्ग' से एक और 'समणसुत्त' से एक 28 अंक
2. एक समीक्षात्मक प्रश्न 'पाइयगज्ज संग्रहों' से 18 अंक
3. एक समीक्षात्मक प्रश्न 'बज्जालग्ग' अथवा 'समणसुत्त चयनिका' से 18 अंक
4. एक प्रश्न प्राकृत साहित्य के इतिहास से संबंधित साहित्य का उद्‌भव और विकास 18 अंक
5. एक प्रश्न प्राकृत भाषा और व्याकरण से संबंधित प्राकृत भाषा का उद्‌भव और विकास, प्राकृत भाषा के विविध रूप और उनकी क्षेत्रीय विशेषताएं, व्याकरण संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और क्रिया विशेषण 18 अंक

आंतिरक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

1. प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ.जगदीश चन्द्र जैन, प्र. चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
2. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ.नेमीचन्द शास्त्री, प्र. तारा पब्लिकेशन, वाराणसी।
3. प्राकृत जैन कथा साहित्य – डॉ.जे.सी.जैन, प्र. लाल भाई दलपत भाई भारतीय संस्कृति विद्या मंदिर अहमदाबाद।
4. प्राकृत दीपिका – डॉ. सुदर्शनलाल जैन, प्र.पी.बी. रिसर्च इन्स्टीट्यूट, वाराणसी।
5. प्राकृत मार्गोपदेशिका – श्री बेचरदास जीवराजे दोशी, प्र. मोतीलाल बनारसी दास दिल्ली।
6. हेमचन्द्र प्राकृत व्याकरण भाग 1,2 व्याख्याता श्री प्यारचन्द जी प्र. श्री जैन दिवाकर दिव्य ज्योति कार्यालय, ब्यावर।
7. अभिनव प्राकृत व्याकरण – डॉ.नेमीचन्द शास्त्री, प्र. तारा पब्लिकेशन्स वाराणसी।
8. प्राकृत प्रबोध सं डॉ.नेमीचन्द जैन
9. बज्जालग्ग – सं माधव वासुदेव पटवर्धन प्राकृत ट्रेक्ट्स सासायटी, अहमदाबाद।

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

अथवा (ग) (4) अपभ्रंश

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. सरहपा	:	प्रारम्भ से 12 दोहे
2. स्वयंभू	:	सम्पूर्ण
3. अब्दुर्रहमान	:	प्रारम्भ से 16 छंद
4. हेमचन्द्र सूरि	:	प्रारम्भ से 20 दोहे
5. विनयचन्द्र सूरि	:	सम्पूर्ण
6. विद्यापति	:	कीर्तिलता (प्रथम तथा द्वितीय पल्लव)
7. अपभ्रंश व्याकरण	:	अपभ्रंश रचना सौरभ, लेखक – डॉ.कमलचंद सौगाणी, अपभ्रंश अकादमी,जयपुर

नोट : 1 से 5 तक पाठ्यांश 'अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अन्तर्यात्रा' – डॉ. शम्भूनाथ पाण्डेय, पुस्तक से निर्धारित है।

अंक विभाजन :

चार व्याख्याएँ (10 x 4 = 40 अंक)
चार आलोचनात्मक प्रश्न (15 x 4 = 60 अंक)
सभी कवियों से व्याख्याएं अपेक्षित हैं।
तीन आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक प्रश्न व्याकरण का होगा। आंतरिक विकल्प व्याख्या तथा सभी प्रश्नों में देय है।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी काव्यधारा, राहुल सांकृत्यायन
2. अपभ्रंश काव्य सौरभ, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
3. अपभ्रंश रचना सौरभ, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
4. अपभ्रंश अभ्यास सौरभ, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
5. अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अन्तर्यात्रा, डॉ.शम्भुनाथ पाण्डेय
6. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान – डॉ नामवर सिंह
7. अपभ्रंश साहित्य डॉ. हरिवंश कोछुड भारतीय साहित्य मंदिर दिल्ली।
8. अपभ्रंश भाषा का अध्ययन डॉ. वीरेन्द्र श्रीवास्तव, एस चांद क., दिल्ली
9. अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अन्तर्यात्रा' – शम्भूनाथ पाण्डेय

Raj | Jas
Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा (ग) (5) राजस्थानी भाषा

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

क. राजस्थानी भाषा :

1. भारतीय भाषाओं में राजस्थानी का महत्व, राजस्थानी की प्रमुख विशेषताएं एवं प्रमुख बोलियाँ।
2. राजस्थानी भाषा का इतिहास।

ख. राजस्थानी साहित्य :

1. राजस्थानी गद्य एवं पद्य – गद्य और पद्य में निर्धारित पाठ्य ग्रंथ ये हैं :–

गद्य : 1. राजस्थानी गद्य चयनिका सं. ब्रजनारायण पुरोहित प्र. श्याम प्रकाशन, जयपुर।
2. अचलदास खींची री वचनिका – संपादक भूपतिराम साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।

पद्य : 1. वेलि क्रिसन रूक्मणी री : पृथ्वीराज राठौड़ सं. नरोत्तमदास स्वामी – श्रीराम मेहरा एण्ड कम्पनी, आगरा (प्रारम्भ के 225 छंद वसन्त वर्णन से पूर्व तक)
2. राजस्थानी रसधारा – डॉ.शम्भूसिंह मनोहर, श्याम प्रकाशन, जयपुर

अंक विभाजन :

1. गद्य व पद्य की प्रत्येक पुस्तक से एक–एक व्याख्या होगी 28 अंक
2. राजस्थानी भाषा की विशेषता, व्याकरण अथवा भाषा के इतिहास से संबंधित एक प्रश्न 16 अंक
3. राजस्थानी गद्य साहित्य चयनिका अथवा वचनिका से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
4. राजस्थानी पद्य साहित्य बेलि अथवा रसधारा से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
5. राजस्थानी साहित्य के इतिहास से संबंधित दो टिप्पणियां (आन्तरिक विकल्प देय, शब्द सीमा 300 शब्द प्रति टिप्पणी) 24 अंक
   पांचवाँ प्रश्न टिप्पणीपरक होगा जिसमें दो टिप्पणियां 12–12 अंक अर्थात् कुल 24 अंक की पूछी जायेगी। इस टिप्पणीपरक प्रश्न में गद्य एवं पद्य के इतिहास से संबंधित टिप्पणियां होंगी। (आन्तरिक विकल्प देय, शब्द सीमा 300 शब्द होगी)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. राजस्थानी भाषा – डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी – राजस्थानी साहित्य शोध संस्थान, उदयपुर।
2. पुरानी राजस्थानी – डॉ. तेसीतोरी (अनं. डॉ. नामवरसिंह) नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. राजस्थानी व्याकरण – लेखक एवं प्रकाशक – सीताराम लालस, जोधपुर।
4. संक्षिप्त राजस्थानी व्याकरण – नरोत्तमदास स्वामी–सार्दुल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर।
5. राजस्थानी भाषा और साहित्य – डॉ. मोतीलाल मैनारिया–हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
6. राजस्थान का भाषा सर्वेक्षण – ग्रियर्सन, अनु. डॉ. आत्माराम जाजोरिया, राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर।
7. राजस्थानी हिन्दी कोष भाग 2– डॉ. भूपतिराम साकरिया तथा बद्री प्रसाद साकरिया – प्रकाशक,पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
8. ढोला मारू रा दूहा – एक अध्ययन – डॉ. कृष्णबिहारी सहल– आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली।
9. रूकमणी हरण सायंजी झूलाकृत – विश्लेषण एवं मूल्यांकन, श्रीमती ऊषा शर्मा – ऊषा पब्लिशिंग हाऊस, जोधपुर।
10. राजस्थानी गद्य उद्भव और विकास – सं. डॉ. शिवस्वरूप शर्मा 'अचल', सार्दुल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर।
11. सांस्कृतिक राजस्थान भाग एक – प्र. अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, हरीसन रोड़, कलकत्ता।
12. आधुनिक राजस्थानी साहित्य – प्रेरणास्रोत और प्रवृत्तियाँ, डॉ. किरण नाहटा।
13. राजस्थानी शोध निबन्ध – डॉ. शम्भूसिंह मनोहर।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा (घ) कोई एक विधा

(1) हिन्दी नाटक और रंगमंच

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. नीलदेवी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. अजात शत्रु – जयशंकर प्रसाद
3. अंधा युग – धर्मवीर भारती
4. मोहन राकेश – लहरों का राजहंस
5. एक और द्रोणाचार्य – शंकर शेष

अंक विभाजन :

1. चार व्याख्याएं प्रत्येक पुस्तक से एक अवश्य पूछी जाये (9 x 4 = 36 अंक)
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न (प्रत्येक नाटक से एक प्रश्न अवश्य पूछा जाये) आन्तरिक विकल्प देय (16 x 4 = 64 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भरत नाट्य शास्त्र – चौखम्बा सीरीज, बनारस अथवा कोई भी अनुवाद
2. दशरूपक, धनंजय –चौखम्बा सीरीज, बनारस या हिन्दी अनुवाद
3. नाट्यदर्पण – रामचन्द्र गुणचन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. हिन्दी नाटक सिद्धान्त और विवेचना – डॉ. गिरीश रस्तोगी, रामबाग कानपुर।
5. रंगदर्शन – नेमीचन्द्र जैन
6. रंगमंच – बलवन्त गार्गी
7. हिन्दी रंगमंच का इतिहास – डॉ. चन्दुलाल दुबे, जवाहर पुस्तक मंदिर मथुरा।
8. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास – डॉ.दशरथ ओझा।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा (घ) (2) हिन्दी उपन्यास

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. मुझे चाँद चाहिए – सुरेन्द्र वर्मा
2. शेखर एक जीवनी – भाग 1, भाग 2
3. नीला चाँद – शिवप्रसाद सिंह
4. कथा सतीसर – चन्द्रकान्ता

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक–एक व्याख्या–कुल चार व्याख्याएँ (9 x 4 - 36 अंक)
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न। आन्तरिक विकल्प देय (16 x 4 = 64 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी उपन्यास : डॉ.सुषमा धवन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र
3. हिन्दी उपन्यास कोष : गोपलराय
4. उपन्यास का जन्म : परमानन्द श्रीवास्तव
5. हिन्दी उपन्यास : प्रयोक के चरण : राजमल बोरा
6. साठोत्तरी हिन्दी उपन्यासों में युवा का स्वरूप : डॉ.विमला सिंह, कला प्रकाशन, वाराणसी
7. आज का हिन्दी उपन्यास : डॉ.इन्द्रनाथ मदान
8. हिन्दी उपन्यास का स्वरूप : डॉ.शशिभूषण सिंहल
9. अधूरे साक्षात्कार : नेमीचन्द्र जैन
10. प्रतिनिधि उपन्यास, भाग एक, भाग दो : डॉ.यश गुलाटी, हरियाणा साहित्य एकेडेमी, चण्डीगढ़।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा (घ) (3) समकालीन हिन्दी कविता
कवि और कविताएँ

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

ऋतुराज :

1. भूख
2. चुनो उन्हें जो तुम्हें चला सकें
3. लड़ाई
4. एक कटे पेड़ की कहानी
5. गरीब लोग
6. क्या कुछ कविता बचेगी

नंद किशोर आचार्य

1. अब यदि चलने भी लगे
2. घरौंदा
3. मरुथली का सपना
4. जल की याद
5. यहाँ भी वसंत

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

1. अहं से बड़ी हो तुम
2. अब नदियाँ नहीं सूखेंगी
3. जब–जब सिर उठाया
4. लीक पर न चलें
5. यहीं – कहीं एक कच्ची सड़क थी

वेणु गोपाल

1. वे साथ होते हैं
2. चट्टानों का जलगीत
3. हवाएं चुप नहीं रहतीं
4. ब्लैक मेलर
5. यह तो युद्ध है

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक इकाई से एक–एक व्याख्या–कुल चार व्याख्याएँ (9 x 4 = 36 अंक)
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न। प्रत्येक कवि से प्रश्न पूछे जायें आंतरिक विकल्प देय (16 x 4 = 64 अंक)

अनुसंशित ग्रंथ :

1. शुद्ध कविता की खोज : रामधारी सिंह दिनकर
2. प्रगतिशील काव्य धारा और केदारनाथ अग्रवाल: डॉ.रामविलास शर्मा
3. राजस्थान का हिन्दी साहित्य : साहित्य एकेडेमी, उदयपुर
4. राजस्थान की हिन्दी कविता : संपादक प्रकाश आतुर
5. नयी कविताएँ : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. फिलहाल : अशोक वाजपेयी
7. नये प्रतिमान पुराने निकष : लक्ष्मीकांत वर्मा
8. कविता-तर : डॉ.जगदीश गुप्त

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा (घ) (4) हिन्दी कहानी

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तक :

एक दुनिया समानान्तर – राजेन्द्र यादव (सभी कहानियाँ)

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ। (आंतरिक विकल्प देय) (9 x 4 = 36 अंक)
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न (16 x 4 = 64 अंक)
   पाठ्यक्रम की कहानियों के अतिरिक्त कहानी : उद्‌भव और विकास तथा विविध कहानी आंदोलनों पर भी प्रश्न पूछे जायेंगे। आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी कहानी की शिल्प–विधि का विकास : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल
2. हिन्दी कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव
3. नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर
4. कहानी : नयी कहानी : डॉ.नामवर सिंह
5. आधुनिक कहानी का परिपार्श्व : डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
6. हिन्दी कहानी का उद्‌भव और विकास : डॉ.सुरेश सिन्हा
7. नयी कहानी : पुनर्विचार : मथुरेश, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
8. हिन्दी कहानी : आठवां दशक : मधुर उप्रेती
9. हिन्दी के प्रतिनिधि कहानीकार : डॉ.द्वारिका प्रसास सक्सेना

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा (घ) (5) लोक साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

1. लोक साहित्य के सामान्य सिद्धान्त –लोक साहित्य का अर्थ, परिभाषा, तत्व, प्रकार, क्षेत्र, महत्व, लोक और साहित्य का संबंध, लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य, लोक मानस की अवधारणा, लोक साहित्य और अन्य विषयों से संबंध। लोक साहित्य कला या विज्ञान।
2. लोक गीत–अर्थ, परिभाषा, महत्व, वर्गीकरण, तत्व, लोकगीत और साहित्यिक गीत, प्रमुख लोकगीत–राजस्थान और ब्रज प्रदेश से संबंधित, लोकगीतों में अभिव्यक्त जीवन और संस्कृति, रचना–प्रक्रिया, शिल्प विधान।
3. लोकगाथा और लोककथा–अर्थ, परिभाषा, तत्व, महत्व, प्रकार, प्रमुख लोकगाथाएँ व लोककथाएँ, राजस्थान और ब्रज प्रदेश से संबंधित, लोकगाथाओं व लोककथाओं में अभिव्यक्त जीवन और संस्कृति, रचना–प्रक्रिया, शिल्प विधान।
4. लोक नाट्य – अर्थ, परिभाषा, तत्व, महत्व, प्रकार, राजस्थान और ब्रज प्रदेश से संबंधित प्रमुख लोक नाट्य लोक रंगमंच, रंग विधान, लोक नाट्यों में अभिव्यक्त जीवन और संस्कृति, शिल्प विधान।
5. (कँ) लोकोक्ति, मुहावरे और पहेलियाँ– अर्थ, परिभाषा, महत्व, प्रकार, अभिव्यक्त लोक जीवन और संस्कृति।
   (ख) लोक साहित्य के संकलन का कार्य, प्रविधि और कठिनाइयाँ, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, प्रमुख लोक साहित्य सेवी और उनकी देन।

अंक विभाजन :

1. प्रथम चार इकाइयों से एक–एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का, पाँचवीं इकाई 'क' और 'ख' दो भागों में विभक्त है। (20 x 4 = 80 अंक)
2. प्रत्येक 10 अंकों का। इससे संबंधित एक प्रश्न। (10 x 2 = 20 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ.सत्येन्द्र
2. लोक साहित्य सिद्धान्त और अध्ययन – डॉ.श्रीराम शर्मा
3. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
4. राजस्थानी लोक साहित्य – श्री नानूराम संस्कर्ता
5. ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन – डॉ. सत्येन्द्र
6. राजस्थानी लोक गीत भाग 1,2 – डॉ.स्वर्णलता अग्रवाल
7. राजस्थानी लोक गाथाएँ – डॉ.कृष्ण कुमार शर्मा
8. राजस्थानी बाल साहित्य एक अध्ययन – डॉ.मनोहर शर्मा
9. राजस्थानी कहावतें, एक अध्ययन – डॉ कन्हैयालाल बहल
10. ब्रज और बुन्देली लोकगीतों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ.शालिगराम गुप्त।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan

अथवा (घ) (6) हिन्दी पत्रकारिता : सिद्धान्त और व्यवहार

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

1. **पत्रकारिता : सिद्धान्त एवं स्वरूप :**
   1. पत्रकारिता का अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र, महत्व और प्रभाव।
   2. पत्रकारिता और साहित्य, साहित्य सृजन के विविध आंदोलनों के विकास में पत्र–पत्रिकाओं का योगदान। पत्रकारिता और रचना–धर्मिता। पत्रकार के गुण और दोष, कर्त्तव्य, आधुनिक युग में पत्रकारिता का महत्व।
   3. हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास
2. **प्रेस कानून :**
   1. अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, लोकतांत्रिक परम्पराएं, मौलिक अधिकार और साहित्य से सम्बद्धता, स्वतंत्र प्रेस की अवधारणा।
   2. प्रमुख प्रेस कानून, मानहानि, न्यायालय की अवमानना, कॉपीराइट एक्ट 1957, प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867, श्रम जीवी पत्रकार कानून 1955, प्रेस कॉंसिल अधिनियम 1973, औषधि और चमत्कारिक उपचार (क्षेत्रीय विधान) अधिनियम 1954, भारतीय सरकारी गोपनीयता कानून 1923, युवकों के लिए हानिप्रद प्रकाशन कानून, 1956, संसदीय विशेषाधिकार।
3. **समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण :** समाचार एवं उनके विविध प्रकार, समाचार संरचना, संवाददाता, उनके कर्तव्य एवं दायित्व, समाचार प्रेषण–विविध प्रणालियाँ।
4. **समाचार संपादन कला :** संपादक विभाग की संरचना, समाचार–चयन, शीर्षक, लेखन, पृष्ठसज्जा, स्तम्भ लेखन, पुस्तक–समीक्षा, फीचर–लेखन।
5. **दृश्य–श्रव्य संचार माध्यम :** जन संचार के प्रमुख माध्यम, भारत में आकाशवाणी व दूरदर्शन का उद्‌भव और विकास, महत्व और प्रभाव।

अंक विभाजन :

प्रत्येक खण्ड से संबंधित एक प्रश्न होगा। कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक होंगे। आन्तरिक विकल्प देय

अनुशंतिस ग्रंथ :

1. जन माध्यम और हिन्दी पत्रकारिता भाग 1, 2 – प्रवीण दीक्षित, सहयोग साहित्य संस्थान, कानपुर।
2. समाचार पत्रों का इतिहास – अम्बिका प्रसाद वाजपेयी, ज्ञानमण्डल, बनारस।
3. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम – डॉ.वेदप्रताप वैदिक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. हिन्दी पत्रकारिता–डॉ.कृष्णविहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन दिल्ली।
5. प्रेस विधि–डॉ.नन्दकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. भारत में प्रेस विधि– डॉ.सुरेन्द्रनाथ शर्मा, डॉ.मनोहर प्रभाकर, गतिमान प्रकाशन
7. संवाद और संवाददाता – राजेन्द्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।
8. समाचार संकलन और लेखन – डॉ.नन्दकिशोर त्रिखा, हिन्दी समिति, लखनऊ
9. संवाददाता–सत्ता और महत्व – हेरम्ब मिश्र, किताब महल, इलाहाबाद
10. समाचार संपादन–प्रेमनाथ चतुर्वेदी, ऐकेडमिक बुक्स, दिल्ली
11. संपादन कला – के.पी.नारायण, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
12. आकाशवाणी–रामविहारी विश्वकर्मा, प्रकशन विभाग, दिल्ली
13. फीचर लेखन – प्रेमनाथ चतुर्वेदी, प्रकशन विभाग दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा (घ) (7) दलित साहित्य

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. जूठन – ओम प्रकाश वाल्मीकि
2. दलित कहानी संचयन : सं. रमणिका गुप्ता (हिन्दी कहानियाँ मात्र)
3. वर्ग व्यवस्था और शूद्र, सामंतवादी समाज में जाति व्यवस्था, शूद्र वर्ग में जातियां और स्तर भेद, स्वतंत्रता संग्राम और दलित प्रश्न, अंबेडकर के सार्थक प्रयास और दलित वर्ग में जागरण, आधुनिकता के प्रश्न और दलित। भारतीय संविधान में दलितों के अधिकार, दलित मध्यवर्ग का उभार, दलित स्त्रियां, दलित नवजागरण।
4. भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य, दलित और भक्ति–आन्दोलन, दलित साहित्य का वैकल्पिक सौन्दर्यशास्त्र, दलित साहित्य में सहानुभूति बनाम स्वानुभूति, प्रेमचंद और निराला का दलित समाज संबंधी साहित्य।

अंक विभाजन :

1. प्रथम दो खण्ड से दो–दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगी। (9 x 4 = 36 अंक)
2. सभी चारों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। (16 x 4 = 64 अंक)
   आंतरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

1. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र -- ओम प्रकाश वाल्मीकि
2. युद्धरत आम आदमी – सं. रमणिक गुप्ता (पत्रिका) दलित अंक
3. दलित साहित्य – अंक 2002, अंक 2003 सं. जयप्रकाश कर्दम
4. हरिजन से दलित – सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन
5. आधुनिकता का आइने में दलित – सं. अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन
6. वसुधा (पत्रिका) 58वां अंक, मध्य प्रदेश प्रगतिशील लेखक संघ
7. दलित और अश्वेत साहित्य – कुछ विचार, सं. चमन लाल, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा (घ) (8) स्त्री लेखन और विमर्श

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. चितकोबरा – मृदुला गर्ग
2. संग सार – नासिरा शर्मा (कहानी संग्रह)
3. कस्तूरी कुंडल बसे – मैत्रेयी पुष्पा (आत्मकथा)
4. स्त्री उपनिवेश – प्रभा खेतान (निबंध)

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक खण्ड से एक व्याख्या (9 x 4 = 36 अंक)
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न–प्रत्येक से एक आन्तरिक विकल्प देय (16 x 4 = 64 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. स्त्री पुरुष : कुछ पुनर्विचार, राजशेखर, वाणी प्रकाशन
2. आदमी की निगाह में औरत, राजेन्द्र यादव
3. औरत अस्मिता और संवेदन, अरविन्द जैन
4. परिधि पर स्त्री, मृणाल पांडे
5. नारीवादी विमर्श, राकेश कुमार, आधार प्रकाशन
6. दुर्ग द्वारा पर दस्तक, कात्यायनी
7. भारतीय समाज में नारी, नीरा देसाई।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अथवा (घ) (9) अनूदित साहित्य

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. चित्र प्रिया – अखिलन, ज्ञानपीठ प्रकाशन
2. निशीथ – उमाशंकर जोशी
3. समकालीन मराठी कहानियाँ, डॉ.चन्द्रकांत वांदिवडेकर

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक पुस्तक से एक व्याख्या	(10 x 3 = 30 अंक)
2. तीन पुस्तकों से कुल तीन प्रश्न	(12 x 3 = 36 अंक)
(क) तीन प्रश्न आलोचनात्मक	
(ख) दो टिप्पणियाँ	(10 x 2 = 20 अंक)
3. अनुवाद – प्रक्रिया से संबंधित एक प्रश्न	(14 x 1 = 14 अंक)

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

UNIVERSITY OF RAJASTHAN
JAIPUR

SYLLABUS

M.A. (Political Science)
(Annual Scheme)

Previous Examination – 2020
Final Examination – 2021

Raj / Jai
Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. पूर्वार्द्ध राजनीति विज्ञान परीक्षा

M.A. PREVIOUS POLITICAL SCIENCE EXAMINATION

प्रश्न–पत्रों की रूपरेखा

प्रत्येक प्रश्न–पत्र 3 घण्टे की अवधि का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न–पत्र के अधिकतम 100 अंक होंगे।

प्रत्येक प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 20 अंको का होगा। इस खण्ड में दो अंकों के 10 अनिवार्य प्रश्न होंगे। जिनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर परीक्षार्थी को अधिकतम 20–25 शब्दों में अपेक्षित होगा।

द्वितीय खण्ड 20 अंकों का होगा। इस खण्ड में 05 अंकों के 04 अनिवार्य प्रश्न होंगे, जिनमें से प्रत्येक का उत्तर 150 शब्दों में अपेक्षित होगा।

तृतीय खण्ड 60 अंकों का होगा। इस खण्ड में तीन भाग होंगे। जिनमें प्रत्येक में 20 अंको के दो निबंधात्मक प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी से प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 03 प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित होगा।

General Scheme of Question Papers

Each question paper shall be of three hours duration and of 100 marks.

Each question paper shall consist of three parts. Part I shall carry 20 marks and shall consist of 10 compulsory questions of 2 marks each to be answered in 20-25 words each.

Part II shall carry 20 marks and shall consist of 4 compulsory questions of 5 marks each to be answered in 150 words each.

Part III of the question paper shall carry 60 marks. This part shall be divided into 3 sections each comprising of 2 essay-type questions of 20 marks each. Candidates will be required to attempt one question from each section (3 questions in all, one from each section)

एम.ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा

अग्रांकित चार अनिवार्य प्रश्न–पत्र होंगे

I पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन
II भारतीय राजनीतिक चिन्तन
III अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति
IV लोक प्रशासन के सिद्धान्त एवं व्यवहार

There shall be following four compulsory papers:

I Western Political Thought
II Indian Political Thought
III International Politics
IV Theory and Practice of Public Administration

Raj Vas

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम. ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा
अनिवार्य प्रश्न–पत्र

(V) आधुनिक राजनीतिक सिद्धान्त एवं तुलनात्मक राजनीति

(VI) भारतीय शासन और राजनीति

(VII) अनुसंधान प्रविधि

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

VIII व IX प्रश्न–पत्र हेतु अग्रांकित प्रश्न–पत्रों में से किन्हीं दो प्रश्न–पत्रों का चयन

1. यूनानी राजनीतिक चिन्तन
2. संविदावादी
3. उदारवादी
4. समाजवादी चिन्तन
5. प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन
6. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन
7. गाँधीय राजनीतिक चिन्तन
8. लोक अन्तर्राष्ट्रीय विधि
9. राजनय के सिद्धान्त व व्यवहार
10. संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, चीन एवं पाकिस्तान की विदेश नीतियाँ
11. भारत में मानवाधिकार
12. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन
13. दक्षिण एशिया में शासन व राजनीति
14. भारत में लोक प्रशासन
15. भारत में जिला प्रशासनः पंचायती राज के विशिष्ट संदर्भ में
16. तृतीय विश्व के देशों में तुलनात्मक शासन व राजनीति
17. भारत में राज्य–राजनीति
18. भारत में निर्वाचनिक राजनीति
19. राजनीतिक समाजशास्त्र
20. महिला, शासन एवं राजनीति

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

M. A. Final Examination

Compulsory Papers

(V) Modern Political Theory and Comparative Politics

(VI) Indian Government Politics

(VII) Research Methodology

For Selection of VIII and IX Paper shall be selected from the following list of Papers

1. Greek Political Thought
2. Contractualists
3. Liberals
4. Socialist Thought
5. Ancient Indian Political Thought
6. Modern Indian Political Thought
7. Gandhian Political Thought
8. Public Internationl Law
9. Theory & Practice of Diplomacy
10. Foreign Policies of U.S.A., India, China and Pakistan
11. Human Rights in India
12. International Organisation
13. Government and Politics of South Asia
14. Public Administration in India
15. District Administration in India with Special Reference to Panchayati Raj
16. Comparative Government & Politics in Countries of the Third World
17. State Politics in India
18. Electoral Politics in India
19. Political Sociology
20. Women, Governance and Politics

Raj | Jai

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. पूर्वार्द्ध राजनीति विज्ञान परीक्षा

M.A. PREVIOUS POLITICAL SCIENCE EXAMINATION

प्रश्न –पत्र प्रथम – पाश्चात्य राजनीति चिन्तन

खण्ड–क

जीवन, राज्य व राजनीति के संबंध में यूनानी दृष्टिकोण, सुकरात, प्लेटो व अरस्तु, मध्ययुगीन राजनीतिक चिन्तनः संत अगस्टाइन, थॉमस एक्विनास,

खण्ड – ख

पुनर्जागरणः मेकियावली,, संविदावादीः हॉब्स, लॉक व रूसो, उपयोगितावादी, बेंथम व जॉन स्टुअर्ट मिलः

खण्ड –ग

प्रत्ययवादीः हीगल, ग्रीन, समाजवादीः कार्ल मार्क्स एवं लेनिन, समकालीन उदारवादीः जॉन रॉल्स, रॉबर्ट नोजिक

PAPER I - WESTERN POLITICAL THOUGHT

Section A

Greek View of Life, State and Politics, Socrates, Plato, Aristotle. Medieval Political Thought : Saint Augustine, Thomas Acquinas.

Section B

Renaissance : Machiavelli, Contractualists : Hobbes, Locke & Rousseau, Utilitarians : Bentham and J.S. Mill.

Section C

Idealists: Hegel and Green, Socialists: Karl 'Marx, Contemporary Liberals: JohnRawals, Robert Nozick.

Recommended Books :

R.N. Berki, The History of Political thought: A Short Introduction, Every Man's University Library, 1977.

J. Coleman, A History of Political Thought; From Ancient Greece to Early Christianity, Wiley, 2000. V.R Metha: Hegel and the Modem State

G.H. Sabine, A History of Political Theory, IBH, 1973.

Q. skinner, The Foundations of Modern Political Thought, Volumes 2, Cambridge University Press, reprient, 2004.

Sir. Ernest. Barker, The Political Thought of Plato and Aristotle, New York, Dover Publications, 1969

J. W. Allen, A History of Political Thought in the Sixteenth Century, Methuen: London
H. Butterfield, The Statecraft of Machiavelli, New York, Collier, 1967.

G. Catlin, A History of Political Philosophers, London, George Allen and Unwin, 1950.

R.G. Gettle, History of Political Thought, New York, Novell & Co. 1924.

S. Mukherjee & S. Ramaswamy , A History of Political Thought : Plato to Marx, New Delhi, P.H.I Learning Pvt Ltd, 2011.

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

जे.पी. सूदः पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का इतिहास

नरेश दाधीचः जॉन रॉल्स के न्याय का सिद्धान्त

प्रभुदत्त शर्माः पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का इतिहास

हरिदत्त वेदालंकारः पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन का इतिहास

माइकल बी.फोस्टरः राजनीतिक चितंन के आचार्य, हिंदी माध्यम कार्यन्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

जॉर्ज एच. सेबाइनः राजनीतिक दर्शन का इतिहास, एस.चांद पब्लिकेशन दिल्ली, 1982

प्रश्न–पत्र द्वितीय – भारतीय राजनीतिक चिन्तन

खण्ड –क

मनु, वाल्मीकि, व्यास, कौटिल्य,

खण्ड –ख

राजाराम मोहन राय, दयानन्द सरस्वती, विवेकानन्द, गोखले व तिलक

खण्ड– ग

मोहनदास कर्मचन्द गांधी, एम.एन. रॉय व जवाहरलाल नेहरू, भीमराव अम्बेडकर, जयप्रकाश नारायण एवं दीन दयाल उपाध्याय

PAPER II - INDIAN POLITICAL THOUGHT

Section A

Manu, Valmiki, Vyas, Kautilya.

Section B

Raja Ram Mohan Roy, Dayanand Saraswati, Vivekananda, Gokhale and Tilak.

Section C

M. K. Gandhi, M.N. Roy, Jawahar Lal Nehru, BR. Ambedkar, Jay Prakash Narayan & Deen Dayal Upadhyaya

Recommended Books :

D.D. Kosambi, Culture and Civilizations in Ancient India, Vikas, 1980

V.P. Verma, Studies in Hindu Political Thought and Its Metaphysical Foundations, Delhi, Motilal Banarsidass, 1974

U.N. Ghoshal, *A History of Indian Political Ideas*, London, Oxford University Pres, 1959.

K.P. Jayaswal, *Hindu Polity*, Calcuta, Butterworth, 1924.

Jha Rakesh Kumar, Religion, Dharma, and Polity, Concept Pubication Ltd.New Delhi 2012

Arvind, Sharma, Classical Hindu Thought: An Introduction Oxford, 2000

V.P. Varma, Mordern Indian Political Thought, Laxmi Narain Agarwal, Agra

मधुकर श्याम चतुर्वेदी, प्रमुख भारतीय राजनीतिक विचारक, कॉलेज बुक हाऊस,जयपुर

रामशरण शर्माः प्राचीन भारत में राजनीतिक विचार एंव संस्थाये, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली, 2010

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

मंजु शर्मा, प्राचीन भारत में राजनय(एक तुलनात्मक अध्ययन) आर.बी.एस पब्लिशर्स जयपुर 2007
भारतीय राजशास्त्र प्रणेता, श्याम लाल पाण्डेय, उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी लखनऊ
प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचार एंव संस्थांए, परमात्माशरण, मीनाक्षी प्रकाशन मेरठ

प्रश्न–पत्र तृतीय – अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति

खण्ड–क

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त एवं अध्ययन के उपागमः आदर्शवादी, यथार्थवादी, व्यवस्था, निर्णय–निर्माण एवं खेल सिद्धान्त
राष्ट्रीय शक्ति के तत्व एवं उद्विकास

खण्ड –ख

राष्ट्रीय हित एवं राष्ट्रीय नीतिः राजनय, प्रचार एवं राजनैतिक युद्ध, राष्ट्रीय नीति के आर्थिक साधनः साम्राज्यवाद एवं नव–साम्राज्यवाद, युद्धः युद्धों की प्रकृति, कारण एवं प्रकार, वैश्विक आतंकवादः राष्ट्रीय शक्ति की सीमाएंः शक्ति संतुलन, सामुहिक सुरक्षा, अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का शान्तिपूर्ण निपटारा, अन्तर्राष्ट्रीय विधि, निः शस्त्रीकरणः संयुक्त राष्ट्र संघः लक्ष्य, उद्देश्य, संरचना एवं भूमिका, संरचनात्मक सुधारों का प्रश्न

खण्ड–ग

शीत युद्ध का अंत, यूरोप का पुनर्गठन, वैश्वीकरण, क्षेत्रीय संगठनः सार्क एवं आसियान, ब्रिक्स, इब्सा, अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में भारत की भूमिकाः भारत एवं उसके पड़ोसी, गुट निरपेक्षता एवं उसके बदलते प्रतिमान, समकालीन अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के मुख्य मुद्दे एवं प्रवृत्तियाँ

PAPER III - INTERNATIONAL POLITICS

Section A

Theories and Approaches to the study of International Politics Idealist, Realist, Systems, Decision-Making, Game Theory and Feminist Perspective, Concept of National Power, Elements and Evolution of National Power.

Section B

National Interest and National Policy: Diplomacy, Propaganda and Political Warefare, Economic Instruments of National Policy, Imperialism and Neo-Imperialism. War : Nature, Causes and Types of Wars, Global Terrorism.

Limitations of National Power, Balance of Power, Collective Security, Pacific Settlements of International Disputes, International Law, Disarmament.

United Nations: Aims, Objectives, Structure and Role, Issue of Restructuring.

Section C

End of Cold War, Reorganization of Europe, Globalization. Regional Organization especially SAARC, ASEAN, BRICS, IBSA. India's Role in International Affairs, India and her Neighbours, Non-Alignment and its changing patterns. Major issues and trends in Contemporary International Politics.

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

Recommended Books:

1. Waltz, Kenneth N., 'Laws and Theories', in *Theory of International Politics,* (New York: Random House, 1979).
2. Waltz, Kenneth N., Man, *the State and War: A Theoretical Analysis*, New York, Columbia University Press, 1954, pp. 1-15, 224-238.
3. Singer, David J., 'The Level-of-Analysis Problem in International Relations', *World Politics*, 14(1), 1961, pp. 77-92.
4. Wight, Martin, 'Why is there no International Theory' in James Der Derian (ed.), *International Theory: Critical Investigations*, (New York: New York University Press, 1995).
5. Kaplan, Morton A. , 'Problems of theory building and theory confirmation in International Politics', *World Politics*, 14(1), October, 1961, pp. 6-24.
6. Rosenau, James N., 'Thinking Theory Thoroughly' as reproduced in Paul R.Viotti and Mark V. Kauppi, *International Relations Theory* (Longman, 2012).
7. Hollis, Martin and Steve Smith, *Explaining and Understanding International Relations*, (New York: Oxford University Press, 1990).
8. Vincent, John R., 'The Hobbesian Tradition in Twentieth Century International Thought', *Millennium: Journal of International Studies,* 10(2), 1981, pp. 91-101.
9. Hurrell, Andrew, 'Kant and the Kantian Paradigm in International Relations', *Review of International Studies,* 16 (July 1990), pp. 183-205.
10. Waltz, Kenneth N., 'Realist Thought and Neorealist Theory', *Journal of International Affairs*, 44(1): pp. 21-37 at http://www.irchina.org/waltz/waltz1990.pdf .
11. Waltz, Kenneth N., "Political Structures", in Waltz, Kenneth N., *Theory of International Politics,* (New York: Random House, 1979).
12. Milner, Helen, 'The Assumption of Anarchy in International Relations Theory: A Critique', *Review of International Studies*, 17(1), January 1991, pp. 67-85.
13. Jean BethkeElshtain, "International Politics and Political Theory", in Booth and Smith, eds.,*International Relations Theory Today*, pp. 263-278.
14. यू.आर.घई–के.के.घई अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति सिद्धांत तथा व्यवहार, न्यू पब्लिकेशन कम्पनी जालंधर
15. वी.एन.खन्ना–लिपाक्षी अरोड़ा भारत की विदेश नीति, विकाश पब्लिकेशन हाऊस नोएड़ा
16. तपन बिस्वालः अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मेक्मिलन, दिल्ली
17. पुष्पेश पंतः अंतर्राष्ट्रीय संबंध

Raj | Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

प्रश्न–पत्र चतुर्थ– लोक प्रशासन के सिद्धान्त एव व्यवहार

खण्ड–क

लोक प्रशासनः अर्थ, क्षेत्र, प्रकृति एवं अध्ययन की पद्धतियाँ, निजी एवं लोक प्रशासन, वेश्वीकरण का लोक प्रशासन पर प्रभाव, लोक–निजी भागीदारी

संगठन सिद्धान्त एवं उपागमः मनोवैज्ञानिक उपागम, मानवीय संबंध उपागम, प्रशासनिक नेतृत्व, निर्णय–निर्माण का विज्ञान

संगठन के सिद्धान्तः मुख्य कार्यपालिका और उसके कार्य, लाइन और स्टाफ, पदानुक्रम, नियंत्रण का क्षेत्र, प्रत्यायोजन एवं विकेन्द्रीकरण, संचार, समन्वय और पर्यवेक्षण

खण्ड–ख

लोक उद्यमों के सांगठनिक प्रारूपः विभाग, निगम एवं कम्पनी, लोक उद्यमों की समस्याएं, पी पी पी मॉडल (सार्वजनिक निजी सहभागिता)

खण्ड– ग

वित्तीय प्रशासनः बजट का निर्माण, अनुमोदन एवं क्रियान्विति, वित्त पर विधायी नियंत्रण, लोक लेखा समिति एवं प्राक्कलन समिति,

प्रशासन पर विधायी एवं न्यायिक नियंत्रण, सूचना का अधिकार, लोकपाल एवं लोकायुक्त, ई–गर्वनेन्स प्रशासनिक सुधार

PAPER-IV— THEORY AND PRACTICE OF PUBLIC ADMINISTRATION

Section A

Public Administration: Meaning, Scope, Nature and Methods of Study; Private and Public Administration; Impact of Globalization on Public Administration; Public-Private Partnership.

Theories and Approaches of Organizations: Psychological Approach, Human Relations Approach;, Administrative Leadership; Science of Decision Making.

Section B

Principles of Organizations: Chief Executive and its Functions, Line and staff, Hierarchy, Span of Control, Delegation and Decentralization, Communication, Coordination and Supervision. Organizational Patterns of Public Enterprises: Department, Corporation and Company; Problems of Public Enterprises, PPP (Public Private Partnership).

Section C

Financial Administration: Formulation, Approval and Exection of Budget, Parliamentary Control over Finance, Public Accounts Committee and Public Estimates Committee.

Legislative and Judicial Control over Administration, Right to Information, Lok Pal and Lokayukta, E- governance, Administrative Reforms.

Recommended Books :

Henry Nicholas, Public Administration and Public Affairs, Prentice Hall, New Jersey, 2005.

Osborne, David and Gaebler, Ted., Reinventing Government: How the Entrepreneurial Spirit is Transforming the Public Sector, Prentice Hall of India, New Delhi, 1992.

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

Frederickson George, New Public Administration, Alabama, University of Alabama Press, 1990.

Heady Farrel, Public Administration: A Comparative Perspective, Nareel Dekker, 2002.
A. Avasthi and S.R. Maheswari, Public Administration, Agra, Lakshmi Naran Aggarwal, 1996

M. Battacharya, Public Administration: Structure, Process and Behavior, Culcutta, The World Press, 1991.

D. Waldo, Ideas and Issues in Public Administration, New York, McGraw Hill, 1953.

L.D. White, Introduction to the Study of Public Administration, New York, Macmillan, 1955.

M.P Sharma and Sadana "Theroy and Practice of Public Administration."

Guy Peters B and Pierre Jon(Eds) Handbook of Public Administration, Sage, London, 2005.

Spicer Michael W. Public Administration and the State: A Postmodern Perspective, Albama Press, Tuscaloosa, 2001.

Hyden Goran Court, Julius, Mease, Keneth, Making Sense of Governance Viva: New Delhi, 2010.

अवस्थी व अवस्थी : लोक प्रशासन के सिद्धान्त व व्यवहार

बी.एल फड़िया, लोक प्रशासनः सिद्धान्त एंव व्यवहार

पी.डी.शर्मा, हरिश चन्द्र शर्मा, लोक प्रशासन सिद्धांत व व्यवहार

एम.पी.शर्मा, बी.एल.सड़ाना, लोक प्रशासन सिद्धांत व व्यवहार

Raj Tais

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम. ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा

अनिवार्य प्रश्न–पत्र

(V) आधुनिक राजनीतिक सिद्धान्त एवं तुलनात्मक राजनीति

(VI) भारतीय शासन और राजनीति

(VII) अनुसंधान प्रविधि

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

VIII & IX प्रश्न–पत्र हेतु अग्रांकित प्रश्न–पत्रों में से किन्हीं दो प्रश्न–पत्रों का चयन

1. यूनानी राजनीतिक चिन्तन
2. संविदावादी
3. उदारवादी
4. समाजवादी चिन्तन
5. प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन
6. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन
7. गाँधीय राजनीतिक चिन्तन
8. लोक अन्तर्राष्ट्रीय विधि
9. राजनय के सिद्धान्त व व्यवहार
10. संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, चीन एवं पाकिस्तान की विदेश नीतियाँ
11. भारत में मानवाधिकार
12. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन
13. दक्षिण एशिया में शासन व राजनीति
14. भारत में लोक प्रशासन
15. भारत में जिला प्रशासनः पंचायती राज के विशिष्ट संदर्भ में
16. तृतीय विश्व के देशों में तुलनात्मक शासन व राजनीति
17. भारत में राज्य–राजनीति
18. भारत में निर्वाचनिक राजनीति
19. राजनीतिक समाजशास्त्र
20. महिला, शासन एवं राजनीति

Raj Vais

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

M. A. Final Examination

Compulsory Papers

(V) Modern Political Theory and Comparative Politics

(VI) Indian Government Politics

(VII) Research Methodology

For Selection of VIII & IX Paper shall be selected from the following list of Papers

1. Greek Political Thought
2. Contractualists
3. Liberals
4. Socialist Thought
5. Ancient Indian Political Thought
6. Modern Indian Political Thought
7. Gandhian Political Thought
8. Public Internationl Law
9. Theory & Practice of Diplomacy
10. Foreign Policies of U.S.A., India, China and Pakistan
11. Human Rights in India
12. International Organisation
13. Government and Politics of South Asia
14. Public Administration in India
15. District Administration in India with Special Reference to Panchayati Raj
16. Comparative Government & Politics in Countries of the Third World
17. State Politics in India
18. Electoral Politics in India
19. Political Sociology
20. Women, Governance and Politics

Raj Rai

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा

M.A. FINAL EXAMINATION

प्रश्न–पत्रों की रूपरेखा

प्रत्येक प्रश्न–पत्र 3 घण्टे की अवधि का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न–पत्र के अधिकतम 100 अंक होंगे।

प्रत्येक प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड 20 अंको का होगा। इस खण्ड में दो अंकों के 10 अनिवार्य प्रश्न होंगे। जिनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर परीक्षार्थी को अधिकतम 20–25 शब्दों में अपेक्षित होगा।

द्वितीय खण्ड 20 अंकों का होगा। इस खण्ड में 05 अंकों के 04 अनिवार्य प्रश्न होंगे. जिनमें से प्रत्येक का उत्तर 150 शब्दों में अपेक्षित होगा।

तृतीय खण्ड 60 अंकों का होगा। इस खण्ड में तीन भाग होंगे। जिनमें प्रत्येक में 20 अंको के दो निबंधात्मक प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी से प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 03 प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित होगा।

General Scheme of Question Papers

Each question paper shall be of three hours duration and of 100 marks.

Each question paper shall consist of three parts. Part I shall carry 20 marks and shall consist of 10 compulsory questions of 2 marks each to be answered in 20-25 words each.

Part II shall carry 20 marks and shall consist of 4 compulsory questions of 5 marks each to be answered in 150 words each.

Part III of the question paper shall carry 60 marks. This part shall be divided into 3 sections each comprising of 2 essay-type questions of 20 marks each. Candidates will be required to attempt one question from each section (3 questions in all, one from each section)

Raj | Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम. ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा

अनिवार्य प्रश्न–पत्र

प्रश्न–पत्र : पंचम आधुनिक राजनीतिक सिद्धान्त एवं तुलनात्मक राजनीति

खण्ड –क

राजनीतिक सिद्धान्त की अभिनव प्रवृत्तियाँ : परम्परागत से आधुनिक की ओर प्रयाण, राजनीतिक सिद्धान्त में व्यवहारवाद, अर्थ, प्रकृति, भूमिका और सीमायें, उत्तर व्यवहारवाद, राजनीति विज्ञान का विकास। व्यवस्था सिद्धान्त (ईस्टन), संरचनात्मक–प्रकार्यात्मक सिद्धान्त (ऑमण्ड कोलमैन),

खण्ड –ख

राजनीतिक आधुनिकीकरण एवं राजनीतिक विकास, राजनीतिक सामाजीकरण एवं राजनीतिक संस्कृति, समूह सिद्धान्त, वितरणात्मक उपागम (लॉसवेल)

खण्ड –ग

संस्थाए एवं कार्यकरण– लोकतंत्र एवं निरंकुश तंत्र, संसदीय एवं अध्यक्षात्मक, संघीय एवं एकात्मक सरकार के अंग उनके कार्य एवं अन्तर्संबंध, दलीय व्यवस्था, दबाव समूह एवं जनमत।

M. A. Final Examination

Compulsory Paper

Paper V Modern Political Theory and Comparative Politics

Section A

Recent Trends in Political Theory: Shift from Traditional to Modern

Behaviouralism in Political Theory, Meaning, Nature, Role & Limitations, Post Behaviouralism, Development of Political Science.

Systems Theory (Easton), Structural Functional (Almond and Coleman)

Section B

Political Modernization and Political Development, Political Socializaton and Political Culture. Group Theory, Distributive Approach (Lasswell)

Section C

Institutions and Dynamics : Democracy and Dictatorship, Parliamentary and Presidential, Federal and Unitary, types of government, Organs of Government their functions and interrelationships, Party sytem, Pressure groups and Public opinion.

Recommended Books :

Kymlicka,Will,"Contemporary Political Philosophy:An Introduction," OUP,New Delhi,2002

Rawls John,"A Theory of Justice",OUP,New York,1971

Nozick,Robert,"Anarchy,State and Utopia,"Basic Books,New York,1974

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

Bakaya,Santosh,"The Political Theory of Robert Nozick,"Kalpaz Publications,Delhi,2006

Bell,Daniel A,"Communitarianism and its Critics,",OUP,New York,1993

Heater,Derek,"What is Citizenship", Blackwell,NewYork,2000

Okin,Susan,"Justice,Gender and the Family,"Basic Books,New York,1989

Willet,Cynthia,"Theorising Multiculturalism:A Guide to the Current Debate,"Blackwell,New York,1998

Roemer John (Ed.),"Analytical Marxism",Cambridge University Press,Cambridge,1986

Dobson,Andrew,"Green Political Thought,"Rotledge,London,1980

Gould and Thursby (ed.) Contemporary Political Thought.

James, C. Charlesworth: (ed.) Contemporary, Political analysis.

Engene J. Meehan: Contemporary Political Thought A Critical Study

K.R. Memouse and Crespingy: Contemporary Political Philosophers.

S.P. Verma: Moderm Politiàal Theory

M. Crasston : The New Left

J. C. Johari: Contemporary Political Theory.

S.E. Finer: Comparative Government.

C.J. Friederich: Constitutional Government and Democracy.

Arnold Brecht : Political theory : Foundations of Twentieth Century Political Thought.

Ronald Young (ed.): Approaches to the study of the Political Science. . David Eston : Framework for Political Analysis.

Lasswell and Kaplan : Power and Society : Framework for Political Inquiry.

Austin(Ed.)' Essays on the Behavioural Study of policy.

Almond and Powell: Comparative Politics—A Development Approach . Samuel P. Huntington.: Political Order in Changing Societies.

Hass and Kariel (Ed): Approaches to the study of Political Science.

Herbert J Storing: Essays on the Scientific Study of Politics

David Easton : The Political System : An Enquiry into the State of Political Science.

Harold D lasswell: Politics: Who gets, What, When and How.

Dant Germino: Beyond Ideolgy : Revival of Political Theory.

Eugene J. Mechan: The Theory and Method of Political Analysis.

Hayes and Hedlund, (eds). The Conduct of Political Enquiry : Behavioral Political Analysis.

एस.पी. वर्मा : आधुनिक राजनीतिक सिद्धान्त

एस.एल. वर्मा : आधुनिक राजनीतिक सिद्धान्त

हरिशचन्द्र शर्मा : आधुनिक राजनीतिक सिद्धान्त

सी.बी. गेना: तुलनात्मक राजनीतिक संस्थाए।

Raj | Jai

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

प्रश्न–पत्र–षष्ठम्: भारतीय शासन और राजनीति

खण्ड–क

संविधान सभा, संविधान के दार्शनिक आधार, मूल अधिकार, मूल कर्तव्य, राज्य–नीति के निदेशक सिद्धान्त।

संघीय कार्यपालिका– राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रि–परिषद्, संसद और उसके दोनों सदनों के मध्य संबंधों का स्वरूप।

खण्ड –ख

उच्चतम न्यायालय और न्यायिक पुनरावलोकन, लोकहित वाद एवं न्यायिक सक्रियतावाद, संविधान–संशोधन, संघ–राज्य संबंध, राज्यपाल का पद और राष्ट्रपति शासन की राजनीति, क्षेत्रवाद और राष्ट्रीय एकीकरण।

खण्ड–ग

राजनैतिक दल, चुनाव व मतदान व्यवहार, निर्वाचन–सुधारों की आवश्यकता, जाति, वर्ग, संप्रदायवाद और भाषा की राजनीति, पंथ–निरपेक्षता, अल्पसंख्यकों की समस्या, सामाजिक और आर्थिक न्याय की समस्या, भारतीय राजनीति में संचार की भूमिका

Paper VI—Indian Government and Politics

Section A

Constitutent Assembly, Philosophical Foundations of the Constitution, Fundamental Rights, Fundamental Duties, Directives Principles of State Policy, Federal System. The Union Executive - The President, Prime Minister, Council of Ministers, Parliament and relationship pattern between the two chambers.

Section B

The Supreme Court and Judicial Review, Public Inerest litigation and Judicial activism, Amendment of the Constitution, Union-State Relations, Office of the Governor and Politics of President's Rule, Regionalism and National Integration.

Section C

Political Parties, Elections and Voting behavior, Need for electoral reforms, Politics of Caste, Class, Communalism and Language, Secularism, Problem of Minorities, Problem of Social and Economic Justice, Role of Media in Indian Politics.

Recommended Books:

Granvile Austin: The Indian Constitution: Cornerstone of Nation.

W.H. Morris-Jones : Government and Politics of India.

Rajani Kothari : Politics in India.

K.L. Kamal: Democratic Politics in India.

Manju Singh : Assam Politics of Migration and quest for identity.

Iqbal Narain: Indian Government and Politics.

Bhawani Singh : Politics of Alienation in Assam.

Bhawani Singh Council of States in India.

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

V. R. Mehta : Ideology Modernisatioin & Politics in India.

Upendra Baxi: The Indian Supreme Court.

J.R. Siwach : Politics of President's Rule in India.

Rakhahari Chatterjee : Union, Politics and the State.

Ghanshyarn Shah: Politics of Scheduled Castes & Scheduled Tribes. . Min Shákir : Politics of Minorities.

JR. Siwach Constituent Assembly.

J.R Siwach: Office of the Governor.

Shakdhar : Parliamentary. Practice in India.

Paul Wallace & Surendra Chopra : Political Dynamics of Punjab.

Myron Weinar : Party Politics in India - The Development of Multiparty System.

Myron Weinar : Politics of Scarcity Public Pressure and Political Response in India.

D.D. Basu, An Introduction to the Constitution of India, New Delhi, Prentice Hall, 1994.

D.D. Basu and B. Parekh (ed.), Crisis and Change in Contemporary India, New Delhi, Sage 1994.

Zoya Hasan, E Sridharan, R. Sudarshana (Edited) : India's Living Constitution- Ideas Practices, Controversies , 2006

एल.एम.सिंघवी : भारत का संविधान : चुनौतियाँ उत्तर

एस.एन.जैन : भारतीय संविधान व राजनीति

पी.के. त्रिपाठीः भारतीय संविधान के मूल तत्त्व

रामगोपाल चतुर्वेदीः सांविधानिक दर्शन (तीन खण्ड)

एम.पी. रायः भारतीय शासन व राजनीति

बी.एल. फडिया : भारतीय शासन व राजनीति

रजनी कोठारीः भारत में राजनीति

प्रश्न–पत्र – सप्तम् : अनुसंधान प्रविधि

खण्ड – क

राजनीति विज्ञान में शोध की आवश्यकता और स्वरूप। अनुसंधान के प्रकारः आदर्शीय, अनुभव परक और व्यवहारवादी, नीतिविश्लेषण, अन्तः अनुशासनात्मक अनुसंधान, वैज्ञानिक पद्धति, अध्ययन के विभिन्न प्रकार : पैनल, केस व क्षेत्रीय।

खण्ड – ख

शोध समस्या का निरूपण, शोध का प्रारूप, प्रायोगिक शोध का प्रारूप, संकल्पना और परिकल्पना, समग्र का चुनाव, आंकड़ों के स्रोत–प्राथमिक और द्वितीयक, निदर्शन, आंकड़ों के संकलन की तकनीक, पर्यवेक्षण, प्रश्नावली और अनुसूची।

खण्ड – ग

गुण–स्थान की अवधारणा : संकेतीकरण व सारणीयन, आंकड़ा–विश्लेषण, प्रतिवेदन–लेखन, राजनीतिशास्त्र में सिद्धान्त निर्माण।

Raj | Jai

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

(VII) - Research Methodology

Section-A

Need and Nature of Research in Political Science. Forms of Research: Normative, Empirical and Behavioural, Policy Analysis, Inter-disciplinary Research, The Scientific Method, Various forms of Studies Panel, Case, & Area.

Section-B

Formulation of Research Problem, Research Designs, Experimental Research Designs, Concepts and Hypothesis, Selection of Universe: Source of data: Primary and Secondary, Sampling, Techniques of data-collection, Observation, Questionnaire & Schedule,

Section-C

Concept of Property and Space, Coding and Tabulation, Data Analysis, Report Writing, Theory Building in Political Science.

Recommended Books:

Karl Popper: The Logic of Scientific Discovery.
Kenneth Janda: Data Processing: Application to Political Research.
Louis D. Hayes and Ronald D Hed'nd (ed.) : The Conduct of Political Inquiry : Behavioural. Political Analysis.
I. Villiman Buchman: Understanding Political Variables.
Thomas A. Sprangens : The Dilemma of Contemporary Political Theory: Toward a Post-Behavioural Science of Politics.
John Galtung: Theory and Methods of Social Research.
Russell L. Ackoff: The Design of Social Research.
Meehan: The Foundation of Political Analysis : Empirical and Normative,
H.W Smith: Strategies of Social Research-The Methodological Imagination.
G. Sjoberg and Roger Nett: A Methodology for Social Research.
Dr. B.M. Jam: Research Methodology.
Goode and Hatt: Methods in Social Research, Mc Graw-Hill Books Co., New Delhi, 1987.
एस. एल. वर्मा : राजनीति विज्ञान में अनुसंधान प्रविधि।

वैकल्पिक प्रश्न पत्र

VIII व IX **प्रश्न–पत्र हेतु अग्रांकित प्रश्न–पत्रों में से किन्हीं दो प्रश्न–पत्रों का चयन किया जा सकता है:**

1. यूनानी राजनीतिक चिन्तन
2. संविदावादी
3. उदारवादी
4. समाजवादी चिन्तन
5. प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

6. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन
7. गाँधीय राजनीतिक चिन्तन
8. लोक अन्तर्राष्ट्रीय विधि
9. राजनय के सिद्धान्त व व्यवहार
10. संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस ,ब्रिटेन, चीन व भारत की विदेश नीतियाँ
11. भारत में मानवाधिकार
12. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन
13. दक्षिण एशिया में शासन व राजनीति
14. भारत में लोक प्रशासन
15. भारत में जिला प्रशासनः पंचायती राज के विशिष्ट संदर्भ में
16. तृतीय विश्व के देशों में तुलनात्मक शासन व राजनीति
17. भारत में राज्य–राजनीति
18. भारत में निर्वाचनिक राजनीति
19. राजनीतिक समाजशास्त्र
20. महिला, शासन एवं राजनीति

M. A. Final Examination

OPTIONAL PAPERS

For Selection of VIII & IX Paper shall be selected from the following list of Papers

1. Greek Political Thought
2. Contractualists
3. Liberals
4. Socialist Thought
5. Ancient Indian Political Thought
6. Modern Indian Political Thought
7. Gandhian Political Thought
8. Public Internationl Law
9. Theory & Practice of Diplomacy
10. Foreign Policies of U.S.A., Russia, U.K., China and India
11. Human Rights in India
12. International Organisation
13. Government and Politics of South Asia
14. Public Administration in India
15. District Administration in India with Special Reference to Panchayati Raj
16. Comparative Government & Politics in Countries of the Third World
17. State Politics in India
18. Electoral Politics in India
19. Political Sociology
20. Women, Governance and Politics

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

वैकल्पिक प्रश्न पत्र

1. यूनानी राजनीतिक चिन्तन

अग्रांकित कृतियों का अध्ययन –

(i) प्लेटो–रिपब्लिक

(ii) अरस्तु–पॉलिटिक्स

1. **Greek Political Thought.**

Study of the following texts:

(i) Plato-Republic

(ii) Aristotle-Politics

Recommended Books

- Ernest Barker,Greek Political Theory Plato and his predecessors, London 1951.
- Robert J. Bonner: Aspect of Athenian Democracy, Berkeley, .Califc . G. Glotz: Greek City and its Institutions. Eng. Tr. by N. Mallii London.
- EM. Cornford: Before and after Societies, Cambridge. . TA. Sinclair: A History of Greek Political Thought.
- A.E. Taylor: Societies, New York, 1993.
- K.R. Popper: The Open Society and its Enemies. Rev. ed. Prince, 1950, Part I.
- Ronald B. Levinson: In Defence of Plato, Cambridge.
- Ernest Barker (Translated); The Politics of Aristotle, Oxford.

2. संविदावादी

संविदावादी विचारकों की मूल कृतियो के संदर्भ में अध्ययन–कृतियाँ

(i) हॉब्स–लेवियाथन

(ii) लॉक– टू ट्रीटाइजेज ऑन सिविल गवर्नमेण्ट

(iii) रूसो– सोशल कॉन्ट्रेक्ट, ऐसे ऑन इनईक्केलिटी

2. Contractualists

With reference to the original writings of Contractualists:

(i) Hobbes - Leviathan

(ii) Locke - Two Treatises on Civil Government

(iii) Rousseau - Social Contract, Essay on Inequality.

Recommended Books

Leo Strauss : The Political Philosophy of Hobbes. In Basis and Genesis. Warrender: Political Philoophy of Thomas Hobbes.

Christopher Hill : Puritanism and Revolution.

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

C.B. Macperson: The Political Theory of Possessive Individualism.

John Bowle : Hobbes and High Critics: A Study in Seventeenth Century Constiiutionalism

JW. Geough: John Locke's Political Philosophy.

Alfred Cobban: Rousseau and the Modern State.

E. Wright: The Meaning of Rousseau.

3. उदारवादी

अग्रांकित उदारवादी चिंतकों के सन्दर्भ में अध्ययन की मूल कृतियाँ :

(i) बेन्थम – फ्रेग्मेण्ट्स ऑन गवर्नमेन्ट

(ii) जे.एस.मिल – यूटिलिटेरियानिज्म, ऑन लिबर्टी

(iii) टी.एच.ग्रीन – लेक्चर्स ऑन प्रिंसीपल्स ऑफ पोलिटिकल ऑब्लिगेशन

3. Liberals

With reference to the following texts of the liberal thinkers:

(i) Bentham-Fragments on Government.

(ii) J.S.Mill-Utilitarianism, on Liberty.

(iii) T.H. Green-Lectures on Principles of Political Obligations.

Recommended Books:

Harold J.Laski : Political Thought in England from Locke to Bend . William Davidson: Political Thought in England : The Utilitarians I Bentham to J.S. Mill, New York.

Lester Sephen : The English Utilitarians.

Ernest Barket : Political Thought in England 1814, 1914, London. . Isaiah Berlin: Two Concepts of Liberty, Oxford.

Karl Briton : John Stuart Mill.

Melvin Richter : The Politics of Conscience : T.H. Green and his Times.

4. समाजवादी चिंतन

खण्ड –क

मार्क्स से पूर्ववर्ती समाजवादी परम्पराः थॉमस मूर, विलियम गॉडविन, संत साइमन, चार्ल्स फोरियर, राबर्ट ओवन, लुई ब्लान्क

खण्ड –ख

मार्क्स, लेनिन, स्टालिन एवं माओ के विचार व योगदान

खण्ड –ग

प्रोधां, बाकुनिन एवं क्रोपाटोकिन के विचार व योगदानः श्रमिक संघवाद, श्रेणी समाजवाद, अराजकतावाद, राष्ट्रीय समाजवाद, लोकतांत्रिक समाजवाद।

Raj/Jai

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

4. Socialist Thought

Section A

Pre-Maxian Socialist Tradition: Ideas of Thomas Moore William Godwin, Saint Simon, Charles Fourier, Robert Owen, Louis Balance.

Section B

Ideas and contribution of Karl Marx; Lenin, Stalin and Mao

Section C

Ideas and Contribution of Proudhan, Bakunin and Kroptkin; Syndicalism Guild Socialism, Anarchism, National Socialism, Democratic Socialism.

Recommended Books:

Alexander Gray: The Socialist Tradition, Marx to Lenin
Alterd G. Heyer: Leninism,
Edward Me Nall Lurns: Ideas in Conflict, Chapter V VI, VII
George Lichtheim : A Historical and Critical Study.
Joseph Schumpter: Socialism in Evolution.
Dr. K. L. Kamal : समाजवादी चिंतन
Ashok Mehta: Studies in Asian Socialism.
परमात्मा शरणः प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन व संस्थाएं

5. प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन

खण्ड –क

प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन की प्रमुख विशेषताऐं, प्राचीन भारतीय चिंतन के दार्शनिक आधार, व्यक्ति तथा समाज व राज्य से उनके संबंध के विषय में प्राचीन भारतीय दृष्टिकोण, वेदों में राजनीतिक विचार, बौद्ध व जैन राजनीतिक विचार।

खण्ड–ख

स्मृतियों व महाकाव्यों में राजनीतिक विचारः मनुस्मृति, याज्ञवलक्य स्मृति, रामायण व महाभारत (शांति पर्व के विशिष्ट संदर्भ में)

खण्ड –ग

नीतिग्रन्थों में राजनीतिक विचारः कौटिल्य का अर्थशास्त्र, शुक्रनीतिसार, सोमदेव का नीतिवाक्यामृतम

5. Ancient Indian Political Thought

Section A

Main features of Ancient Indian Political Thought; Its Philosophical Bases; Ancient Indian view of man and his relation to Society and State, Political Ideas in Vedas, Political Ideas of Buddhists and Jains.

Section B

Political Ideas in Smrities and Epics: Manusmiriti, Yajnavalkya Smriti, Ramayan and Mahabharat (with special reference to Shantiparva).

Reg / Jai

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

Section C

Political Ideas in Neetigranthas: Arthshashtra of Kautilya, Sukranitsar and Som Dëv's Neeti Vakyamritam;

Recommended Books :

D.D. Kosambi, Culture and Civilizations in Ancient India, Vikas, 1980.

V.P. Verma, Studies in Hindu Political Thought and Its Metaphysical Foundations, Delhi, Motilal Banarsidass, 1974.

U.N. Ghoshal, *A History of Indian Political Ideas*, London, Oxford University Pres, 1959.

K.P. Jayaswal, *Hindu Polity*, Calcuta, Butterworth, 1924.

Arbind, Sharma, Classical Hindu Thought: An Introduction Oxford, 2000.

R.C. Majumdar, History and Culture of Indian People, (11 volumes), Calcutta,1956

A.S. Atekekar, State and Government in Ancient India, Motilal Banarasidas, 1966

A. Appadurai, : Indian Political Thinking, Oxford Press,

R. P. Kangle, : Arthashastra of Kautilya, Delhi, Motilal Banarasidas, 1965.

Dr. R.G. Chaturvedi and Dr. Inakshi Chaturvedi: Yajnavalkya Smriti, The code of Laws by Yajnavalkya Smriti.

मधुकर श्याम चतुर्वेदी, प्रमुख भारतीय राजनीतिक विचारक, कॉलेज बुक हाऊस,जयपुर

रामशरण शर्मा: प्राचीन भारत में राजनीतिक विचार एंव संस्थाये, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली, 2010

मंजु शर्मा, प्राचीन भारत में राजनय(एक तुलनात्मक अध्ययन) आर.बी.एस पब्लिशर्स जयपुर 2007

श्याम लाल पाण्डेय: भारतीय राजशास्त्र प्रणेता, उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी लखनऊ

परमात्माशरण: प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचार एंव संस्थांए, मीनाक्षी प्रकाशन मेरठ

6. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन

खण्ड–क

राष्ट्रवाद व राजनीतिक उद्भव का दर्शन: सामाजिक पुनरूद्धार: राजा राममोहन राय, दयानन्द सरस्वती व विवेकानन्द।

खण्ड–ख

गोपाल कृष्ण गोखले, बाल गंगाधर तिलक, अरबिन्दो, वी.डी. सावरकर, लाला लाजपतराय एवं दीन दयाल उपाध्याय के विचार व योगदान।

खण्ड–ग

मोहन दास करमचन्द गांधी, जवाहर लाल नेहरू, भीमराव अम्बेडकर, मानवेन्द्र नाथ रॉय एवं विनोबा भावे के विचार व योगदान।

Raj | Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

6. Modern Indian Political Thought.

Section A

Philosophy of Nationalism and Political Evolution; Social

Regeneration: Ideas of Ramniohan Roy, Dayanand Saraswati, Vivekanand.

Section B

Ideas and contribution of Gopal Krishan Gokhale, Bal Gangadhar Tilak, Aurbindo,

V.D. Savarkar and Lajpat Rai and Deen Dayal Upadhyaya.

Section C

Ideas and contribution of M.K.. Gandhi, Jawahar Lal Nehru, B.R. Ambedkar, M.N. Roy and Vinoba Bhave.

Recommended Books:

A. Appadorai, Doocuments on Political Thought in Modersn India, 2 Vol. Bombay Oxford University Press, 1970.
K. N. Kadam, Dr. B. R. Ambedkar , New Delhi, Sage,1992.
M. J. Kanetkar, Tilak & Gandhi: A Comparative Study, Nagpur, Author, 1935.
B. R. Nanda, Gokhale , Gandhi and Nehrus : Studies in Indian Nationalism, London, Allen and Unwin, 1974.
G. Omvelt, Dalits and the Democratic Revolution : Dr. Ambedkar & Dalit Movement in Colonial India, New, Delhi, Sage,1994.
T. Pantham & K. Deustch, Political Thought in Modern India, New Delhi, Sage, 1986.
S. A. Wolpert, Tilak & Gokhale, Berkeley, University of California Press,1962.
Rakesh Kumar Jha, Religion, Dharma and Polity-; Concept Publication, Delhi,2012.
मधुकर श्याम चतुर्वेदीः प्रमुख भारतीय राजनीतिक विचारक, कॉलेज बुक हाऊस,जयपुर
पुरूषोतम नागरः आधुनिक भारतीय सामाजिक एंव राजनीतिक विचारक, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
वी.पी.वर्माः आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारक लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा (हिन्दी व अग्रेंजी)
ए.अवस्थी व आर.के.अवस्थीः भारतीय राजनीतिक चिन्तन, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर

7. गांधीय राजनीतिक चिंतन

खण्ड–क

गांधी के विचारों व व्यक्तित्व पर निर्धारक प्रभाव, गांधी के विचारों व कर्मण्यताका उद्विकास, दक्षिण अफ्रीका में प्रयोग, गांधी के विचारों के तात्विक आधार, सत्य, अहिंसा, गांधीय तकनीक–सत्याग्रह, साधन व साध्य

खण्ड–ख

हिन्द स्वराज में मूलभूत विचार, वर्ण व्यवस्था, अस्पृश्यता निवारण, स्त्री की स्थिति, शिक्षा एवं धर्म, गांधीय अर्थशास्त्रः अर्थशास्त्र का नैतिक आधार, मुख्य आर्थिक संकल्पनाएँ–विकेन्द्रीकरण, औद्योगीकरण व यंत्रों के प्रति दृष्टिकोण, स्वदेशी, रोटी के लिये श्रम, श्रम व पूंजी के मध्य संबंध, प्रन्यास सिद्धांत।

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

खण्ड–ग

राज्य व शासन के प्रति गांधी का दृष्टिकोण, राज्य –व्यवस्था का गांधीय प्रतिमान, मार्क्स, माओ व गांधी: सामाजिक परिवर्तन के वैकल्पिक प्रतिमान, विनोबा, मार्टिन लूथर किंग (जूनियर) व गांधी, शांति–स्थापना व द्वंद्व –समापन का गांधीय प्रतिमान।

7. **Gandhian Political Thought**

Section-A

Formative influence, Evolution of Gandhi's ideas and activism, Experiments in South Africa, Metaphysical foundations of Gandhi's ideas, Truth, Ahinsa, Gandhian Technique Satyagraha, End & Means.

Section-B.

Fundamental ideas in Hind Swaraj, Varna-Vyavastha, Eradication of Untouchability place of women, Education and Religion. Gandhian Economics, Ethics of Economics, Main economic formulations : Decentralization, views on Industrialization and Machines, Swedeshi, Bread - Labour, Labour-Capital Relationship, Trusteeship.

Section-C

Gandhi's view of State and Government, Gandhian model of polity, Marx, Mao and Gandhi-Alternative for social change, Vinoba, Martin Luther King (Jr.) and Gandhi; Gandhian frame-work for peace and conflict resolution.

Recommended Books:

Murty V.V. Raman: Essential Writings of Gandhi.

Allen, Douglas; (Ed.), "The Philosophy of Mahatma Gandhi for the Twenty-First Century",
Laxington Books, Lanham, 2008

Andrews, C.F.; "Mahatma Gandhi : His life and Ideas", Anmol Publications, New Delhi, 1987

Bandyobadhyaya, J.; "Mao-tse-tung and Gandhi: perspective on Social Transformation",Allied
Publishers, New Delhi, 1973

Bondurant, Joan V.; "Conquest of Violence: The Gandhian Philosophy of Conflict", OUP,
Mumbai, 1959

Bose, Nirmal Kumar "Studies in Gandhism", Navajivan Publishing House, Ahmedabad, 1972

Brown, Judith M.; & Parel, Anthony; (Ed.), "The Cambridge Companion to Gandhi", Cambridge University Press, Cambridge, 2011

Dadhich, Naresh "Gandhi and Existentialism", Rawat Publications, Jaipur, 1993

Dadhich, Naresh; "Women, Conflict Resolution and culture: Gandhian Perspective", Aavishkar
Publishers, Jaipur, 2003,

Dadhich, Naresh; "Non-Violence, Peace and Politics: Understanding Gandhi", Aavishkar
Publishers, Jaipur, 2003.

Datta, Dhirendra Mohan; "The Philosophy of Mahatma Gandhi" The University of Wisconsin,

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

Madison, 1953
Dhawan, Gopinath; "The Political Philosophy of Mahatma Gandhi", Navjivan Publishing House, Ahmedabad, 1951
Ericson, Eric H.; "Gandhi's Truth: on the Origins Militants Non-violent", Norton New York, 1969
Fischer, Louis; "The Life of Mahatma Gandhi", Granada, London, 1951
Gandhi, Rajmohan; "Mohandas: A True Story of a Man, His People and An Empire", Penguin
Books, New Delhi, 2006
Ganguli, B.N.; "Gandhi's Social Philosophy: perspective and relevance", Vikas Publishing House, New Delhi, 1973
Guha, Ramchandra; "Gandhi Before India", Allen Lane, New Delhi, 2013
Gundam, Rahul Ram; "Gandhi's Khadi: A History of Contention and Conciliation", Orient
Longman, Hyderabad, 2008
Iyer, Raghavan N.; "The Moral and Political Thought of Mahatma Gandhi, OUP, Delhi, 1973
Kulkarni, Sudheendra; "Music of the Spinning Wheel: Mahatma Gandhi's Manifesto for the
Internet Age", Published by Amarwllas, New Delhi, 2012
Lalyveld, Joseph; "Great Soul: Mahatma Gandhi and his struggle with India", Harper Collins,
New Delhi, India, 2011
Parekh, Bhikhu; "Colonialism Tradition and Reform: An Analysis of Gandhi Political Discourse", Sage Publication, New Delhi, 1989.
Parel, Anthony; "Hind Swaraj and Other Writings", Foundation Books, New Delhi, 2005.
Richards, Glyn; "Gandhi's Philosophy of Education", OUP, New Delhi, 2001
Roy, Ramashray; "Self and Society: A Study in Gandhian Thought", Sage Publications, New
Delhi, 1984.
Rudolph, Lloyd I.; & Rudolph, Susanne H., "Postmodern Gandhi and Other Essays : Gandhi in
the World and at Home" OUP, New Delhi,2006.
Terchek, Ronald; "Gandhi: Struggle for Autonomy," Rowman and Littlefield Publishers, Lanham, USA, 1998.
D.K. Mishra: Gandhi and Social Order.
लुई फिशर; "गाँधी की कहानी" सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
बी आर नन्दा; "महात्मा गाँधी – एक जीवन" सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1986
एम के गाँधी; "दक्षिण अफ्रिका के सत्याग्रह का इतिहास" नवजीवन प्रकाशन मन्दिर, अहमदाबाद, 2011
एम के गाँधी; "सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा" नवजीवन प्रकाशन मन्दिर, अहमदाबाद, 2012
एम के गाँधी; "हिन्द स्वराज" नवजीवन प्रकाशन मन्दिर, अहमदाबाद, 2012
एम के गाँधी; "ग्राम स्वराज" नवजीवन प्रकाशन मन्दिर, अहमदाबाद, 2011
नन्द किशोर आचार्य (हिन्दी रूपान्तर);"हिन्द स्वराजः पश्चिमी दृष्टि में" प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर, 2009

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

महादेव प्रसादः महात्मा गांधी का समज दर्शन, साहित्य अकादमी, पंचकूला

8. लोक अन्तर्राष्ट्रीय विधि

खण्ड–क

अन्तर्राष्ट्रीय विधि की प्रकृति व क्षेत्र, अन्तर्राष्ट्रीय विधि के स्त्रोत, अन्तर्राष्ट्रीय विधि व राष्ट्रीय विधि में संबंध–विविध सिद्धांत, अन्तर्राष्ट्रीय विधि का ऐतिहासिक क्रम–विकास तथा उसके विकास में सहायक कारक, महाशक्तियों तथा तृतीय विश्व के देशों का उदय तथा उनका अन्तर्राष्ट्रीय विधि पर प्रभाव, अन्तर्राष्ट्रीय विधि की विभिन्न विचारधाराएँ, अन्तर्राष्ट्रीय विधि का संहिताकरण।

खण्ड–ब

राज्यः संप्रभु व अंशतः संप्रभु राज्य, तटस्थीकृत राज्य, राज्य–क्षेत्र, राज्य क्षेत्र के अर्जन व अपहरण के तरीके, राज्य–उत्तराधिकार, राज्यों की मान्यता, आत्मरक्षा हस्तक्षेप, आवश्यकता व आत्म–परीक्षण का सिद्धान्त, अन्तर्राष्ट्रीय विधि के विषय– राज्य व व्यक्ति, राष्ट्रीयता, राजनयिक अभिकर्ता व वाणिज्यदूत, राज्यों के अन्तर्राष्ट्रीय दायित्व, संधियां, क्षेत्राधिकारः राज्य के क्षेत्राधिकार पर मर्यादाएँ, शरण व प्रत्यर्पण, स्थायी न्यायालय, अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका, अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का निपटारा, सहमतिपूर्ण व बाध्यकारी।

खण्ड –ग

युद्ध के नियमः युद्ध की परिभाषा व प्रकृति, युद्ध की घोषणा, युद्ध के प्रभाव, युद्ध के समापन क तरीके, युद्ध स्थिति व विद्रोहिता, व्यक्ति, सम्पत्ति निगम आदि का शत्रु चरित्र, स्थल युद्ध, विद्रोही–अभिग्रहण, समुद्री युद्ध, नोजितमाल न्यायालय (प्राइज कोर्टस), हवाई युद्ध व नाभिकीय युद्ध, युद्ध – अपराध, युद्धोत्तर परावर्तन के सिद्धांत, तटस्टथता की विधिः तटस्थता की परिभाषा व उसके प्रकार, तटस्थ व युद्ध स्थित, तटस्थों व युद्ध – स्थितों के दायित्व, संकटाधिकार, परिवेष्टन तथा विनिषिद्ध, अतटस्थ सेवाएँ, निरीक्षण व तलाशी का अधिकार, समुद्री मार्ग की निरंतरता का सिद्धान्त

8. Public International Law

Section-A

Nature and Scope of International Law, Sources of International Law, Relation between International law and Municipal Law, Various theories. Historical Evolution and Factors helping the growth of International Law, Emergence of Super powers and Countries of the III World and their impact on International Law, different schools of International Law. Codification of International Law.

Section-B

The Law of peace: States Sovereign States and partly Sovereign States, Neutralized States. State Territory: modes of acquisition and loss of State territory, States Succession, Recognition of States, Self-Defence, Intervention; Doctrine of necessity and self preservation. Subject of International Law-States and Individuals, Nationality, Diplomatic Agents and Consuls, International responsibility of States, Treaties, Jurisdiction, Limits on State's Jurisdiction, Asylum and Ex-tradition. International organization History, League of Nations, Permanent Court of Justice,

Raj | Jai

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

International Court of Justice, Leading Cases, United Nations and its contribution to International Law, Settlement of International Disputes : Amicable and compulsive.

Section-C

Laws of War: Definition and nature of war, Declaration of War, Effects of War, Modes of termination of War, Belligerency and Insurgency. Enemy Character of person, Property, Corporation etc., Warfare on land, Belligerent occupation etc., Warfare on sea, Prize Courts; Aerial Warfare and nuclear warfare; War Crimes; Doctririe of Postliminium, The Law of Neutrality: Neutrality its definition and kinds, Evolution of Neutrality: Neutrals and belligerents. Duties of neutrals and belligerents, Angary, Blockade and contraband. Unneutral service and Right of Visit and search, Doctrine of Continuous voyage.

Books Recommended:

Oppenheim: International Law: Vols. I and II.
Fenwick: International Law.

Stark: International Law.

Kelson : Principles of International Law.

Gould: An Introduction to International Law.

Frendman: The changing structure of International Law.

Richard A Falk :/ The Status of Law in. International Society.

Nagendra Singh: Recent Trends in the Development to International Law.

Vasscher: Theory and Reality in International Law.

Arun Chaturvedi : Contemporary diplomatic in contemporary International relations.

Pitt Cobbet: Case on International Law.

Green: International Law through Cases.

J. Stone: Legal Control of International Conflicts. . Jenks : The Common Law of Mankind.

शील कान्ता आसोपा: अन्तर्राष्ट्रीय विधि

एम.पी. टण्डन: अन्तर्राष्ट्रीय विधि

एस.के. कपूर: अन्तर्राष्ट्रीय विधि

अरूण चतुर्वेदी : विमलेन्दु तायल: नए राष्ट्र व अन्तर्राष्ट्रीय विधि

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

9. राजनय के सिद्धान्त व व्यवहार

खण्ड–क

राजनय की उत्पत्ति, प्रकृति, विकास व उद्देश्य, राष्ट्रीय शक्ति के उपकरण, साधन के रूप में राजनय का विकास, राजनयिक आचार का विकास, राजनय की यूनानी, रोमन, इतालवी व फ्रांसीसी पद्धतियाँ, राजनय की भारतीय पद्धति, स्मृतियों, महाकाव्यों व नीतिशास्त्रों का योगदान, राजनय के कार्य, राजनयिक अभिकर्ता–श्रेणियाँ, विशेषाधिकार व उन्मुक्तियाँ, तृतीय राज्य के संदर्भ में स्थिति, राजनयिक निकाय, अग्रता के सिद्धान्त, प्रत्यय पत्र व पूर्णाधिकार, आदर्श राजनयज्ञ।

खण्ड–ख

राजनय के प्रकार– प्रजातांत्रिक राजनय, संसदीय राजनय, शिखर राजनय, सम्मेलनीय राजनय, वैयक्तिक व सहमिलनीय राजनय, पुरातन व नवीन राजनय, राजनय की नई प्रविधियाँ तथा अधुनातन विकास, गुट–निरपेक्षता का राजनय, संयुक्त राष्ट्र संघ में राजनय, आधुनिक राजनय में प्रचार, युद्ध व शांति के दौरान राजनय, भारतीय राजनय, वाणिज्यदूत व उनके कार्य।

खण्ड–ग

अन्तर्राष्ट्रीय बैठकों व संव्यवहार, संधियाँः स्वरूप उद्देश्य व वर्गीकरण, संधियाँ व उनके विभिन्न पक्ष–अविप्रतिपत्ति संधि (कॉन्कॉट्डेट), अपर–अनुच्छेद (एडीशनल आर्टीकल्स), वृत्त–सार (फाइनल एक्ट), अधिकृत कार्यवृत्त (प्रॉसेस वर्बल), अनुसमर्थन (रॉटिफिकेशन), अधिमिलन (एसेशन), अपवाद (रिजर्वेशन) तथा समाप्ति (टर्मिनेशन), राजनयिक संव्यवहारों की भाषा तथा प्रलेखों का प्ररूप, राजनय का महत्त्व व परिवर्तनशील भूमिका, राजनय का भविष्य, विदेशनीति व राजनय, विदेश सेवाएँ व विदेश कार्यालय–भारत के विदेश मंत्रालय के संगठन व कार्यों के विशिष्ट संदर्भ में।

9. Theory and Practice of Diplomacy

Section-A

Origin, Nature, Development, Objectives of Diplomacy, Evolution of Diplomacy as a weapon and tool of National Power; Evolution of Diplomatic practices; Greek, Roman, Italian and French Schools of Diplomacy; Indian School of Diplomacy—Constitution of Smritis; Epics and Neetigranths; Functions of Diplomacy; Diplomatic Agents - Classes, Privileges and Immunities, Position with regard to Third State; Diplomatic body; Principles of Precedence, Credentials and full power; Ideal Diplomat.

Section-B

Types of Diplomacy: Democratic Diplomacy, Parliamentary Diplomacy, Summit Diplomacy, Conference Diplomacy, Personal and Coalition Diplomacy. Old Diplomacy and new Diplomacy; New Technique's and recent Development in Diplomacy; Diplomacy of Non-alignment; UN Diplomacy; Propaganda in Modem Diplomacy; Diplomacy during war and peace; Indian Diplomacy; Consular Agents and their functions.

Section-C

International Meetings and transactions; Treaties, Forms, Objectives and Classifications; Treaties and their different aspects—Concordat, Additional Articles, Final Act, Process Verbal, Ratification; Accession; Reservation and termination; Language of Diplomatic Intercourse and form of Documents. Significance and

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

changing Role of Diplomacy; Future of Diplomacy; Foreign Policy and Diplomacy; Foreign Service and Foreign Office with special reference to the Organisation and Functions of the Ministry of External Affairs in India.

Recommended Books:

Nicholson Diplomacy

Nicholoson : Evolution of Diplomatic Methods.

Saltow: Guide to Diplomatic Practice.

Panikkar : Principles and Practice of Diplomacy.

Roy M.P. : Rajnay Siddhant and Vyavahar (Hindi Granth Academy, Jaipur)

Krishnamurthhy: Dynamics of Diplomacy.

Girija Mukerjee : French School Diplomacy.

Thayer: Diplomat.

Rayter: Diplomacy of the Great Powers.

Regalia : Trends in Diplomatic Practice.

Kenney A. L. : Diplomacy Old and New.. ..

Arun Chaturvedi: Con. Diplomatic law in contemporary Int. relations.

एच. सी. शर्मा : राजनयः सिद्धांत और व्यवहार

अरूण चतुर्वेदी, विमलेन्दु तायल : नये राष्ट्र व अन्तर्राष्ट्रीय विधि

आर.सी. खण्डेलवाल : राजनय के सिद्धांत और व्यवहार

10. संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, चीन एवं पाकिस्तान की विदेश नीति

खण्ड –क

1945 से अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों का सिंहावलोकन, विदेश नीति की अध्ययन पद्धतियाँ, विदेश नीति के तत्त्व, विश्वयुद्धों, वैदेशिक सहायता, नाभिकीय अस्त्रों के प्रसार तथा भू–राजनीति के संदर्भ में विदेश नीति, संयुक्त राज्य अमरीका की विदेश नीति, अमरीकी परम्परा व समसामयिक परिवर्तन, गठबंधन, वैदेशिक सहायता का उदारीकरण, आधुनिक प्रवृतियाँ।

खण्ड–ब

भारतीय विदेश नीतिः निर्धारक तत्त्व, गुटनिरपेक्षता का सिद्धांत व व्यवहार, पश्चिमी देशों से संबंध, राष्ट्रकुल में भूमिका, चीन व अन्य पड़ौसी देशों से संबंध, संयुक्त राज्य अमरीका से संबंधों का बदलता स्वरूप, संयुक्त राष्ट्र संघ व विश्व शांति के संबंध में भूमिका, दक्षिण एशिया में भारत की भूमिका।

खण्ड–ग

चीन जनवादी गणराज्य की विदेश नीतिः राष्ट्रीय व विचारधारागत कारक, चीन–अमेरिका संबंध, एशिया, अफ्रीका व लातिनी अमेरिका के प्रति नीति, सोवियत संघ के विघटन का चीन की विदेश नीति पर प्रभाव। पाकिस्तान की विदेश नीतिः आधार, चुनौतियाँ एवं प्राथमिकताएँ।

Raj | Jas

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

10. Foreign Policies of USA,. India, China & Pakistan

Section-A

An overview of international relation since 1945, Approaches to the study of foreign policies, elements of foreign policy, foreign policy in the context of World Wars, foreign Aid, Nuclear Proliferation and geopolitics,

US Foreign Policy: The American tradition &. Contemporary Shifts, alliances, foreign aid liberation, Recent Trends.

Section-B

India's Foreign Policy : Determinats, Theory and Practice of nonalignment; relation with the west; Role in the Commonwealth, relations with China and other neighbours; Changing patterns of relationship with USA, Role in United Nations and World peace, India's role in South Asia.

Section-C

People's Republic of China's Foreign Policy : The National and ideological Components; the Sino-American Relations; policy in Asia, Africa and Latin America, Impact of the collapse of USSR on Chinese foreign policy. Foreign Policy of Pakistan: Determinants, Challenges and Priorities.

Recommended Books:

Black and. Thompson: Foreign Policies in a Changing World.

Macridis: Readings in Foreign Policies.

WW. Rostow: The United States in the World Arena.

George Kennan: Soviet Foreign Policy under Lenin & Stalin.

Warner Levi: Modem China's Foreign Policy.

V.P. Vutt: Chinese 'Foreign Policy.

K.P. Karunakaran : India in World Affairs 1947-50.

K.P. Karunakaran: India in World Affairs 1950-53.

M.S. Rajan: Indian in World Affairs 1954-56.

I.C. Kundra : Indian Foreign Policy 1947-54.

Jawahar Lal Nehru: India's Foreign Policy.

J.D.B. Miller: The Commonwealth in the World.

H.K. Jacoboson(ed) : America's Foreign Policy.

एम. एल. शर्मा: अन्तर्राष्ट्रीय संबंध

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

11. भारत में मानवाधिकार

खण्ड – क

मानवाधिकार एवं भारती संविधान, मानवाधिकारः अर्थ, प्रकृति एवं परिभाषा। मानवाधिकारों की संवैधानिक रूपरेखाः मौलिक अधिकार, नीति निदेशक तत्व और मौलिक कर्तव्य।राज्य एवं समाज के सन्दर्भ में अधिकार एवं कत्व्यों के सह–सम्बन्ध।

खण्ड–ख

मानव मूल्यः सार्वभौमिक, सांस्कृतिक, सामाजिक गरिमा, न्याय और समानता भारतीय संविधान अनुच्छेद–32 व 226, जनहित याचिका, मानव अधिकार और विशेष हित। सुविधा वंचित समूहः महिला, कामगार वर्ग, वृद्धजन एवं निःशक्तजन। गैर सरकारी संगठनों एवं मीडिया का मानव अधिकारों की चेतना में भूमिका।

खण्ड – स

मानवअधिकार संरक्षण में अन्तर्राष्ट्रीय बाध्यता (मानव अधिकारों के भारतीय परिप्रेक्ष्य में) मानवाधिकारों का सार्वभौमिक घोषणापत्र, 1948, मानव अधिकार संरक्षण कानून 1993, राष्ट्रीय विशिष्ट अभिकरण, भारत में मानव अधिकार आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, जिला मानवाधिकार न्यायालय, मानव अधिकार व सुशासन के मध्य सम्बन्ध।

11. HUMAN RIGHTS IN INDIA

Section A

Human Rights and The constitution of India: Meaning, Nature and Definition. Constitutional Frame Work of Human Rights: Fundamental Rights, Directive Principles and Fundamental Duties, Co-relationship between Rights and Duties in relation to State and Society.

Section B

Human Values: Universal, Cultural, Social Dignity, Justice and Equality .Indian Constitution Article-32, Article-226, Public Interest Litigation. Human Rights and Special Interests/Disadvantage Groups : Women, Working Class, Aged and Disabled. The Role of Non-Governmental organization & Media in Human Rights Sensitization.

Section C

International Obligation to Protect Human Rights.(Indian Perspective on Human Rights) The Universal Declaration of Human Rights, 1948. The Protection of Human Rights Act, 1993. National Specialized Agencies: The National Human Rights Commission of India, The State Human Rights Commissions, The District Human Rights Courts, Relation with Human Rights and Good Governance.

Recommended Books:

Leah Levin Plantu: Human Rights, National Book Trust, India

Rhona K.M. Smith: International Human Rights, Oxford

Mukul Sharma: Human Rights in a Globalised World, Sage Publications

Elisabeth Reichert: Challenges in Human Rights, Rawat Publications

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

D.N. Gupta, Chandarachur Singh: Human Rights Act, Statutes and Constitutional Provisions

Jashal S. Parak Jith, Jashlal Nishtha: Human Rights and Law, APH Publishing Corporation

Subramaniam S.: Human Rights- International, Deep And Deep Publication, New Delhi.

Sen Sankar: Human Rights in Developing Society, APH Publishing Corporation

डॉ0 शिवदत्त शर्माः मानव अधिकार, विधि साहित्य प्रकाश

सुभाष शर्माः भारत में मानवाधिकार, नेशनल बुक ट्रस्ट इण्डिया

एस. गोपालनः भारत और मानव अधिकार, लोक सभा सचिवालय

एस.एन. पाण्डेः मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम एवं नियम, हरि लॉ एजेन्सी

डॉ0 जय जय राम उपाध्यायः मानव अधिकार, सेन्ट्रल लॉ एजेन्सी

ब्रज किशोर शर्माः भारत का संविधा, प्रेंटिस हाल ऑफ इण्डिया।

12. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन

खण्ड–क

अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का सामान्य व आधारभूत विचार, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की परिभाषा, वर्गीकरण, क्षेत्र, प्रयोजन, शक्तियां व विभिन्न दृष्टिकोण, प्रथम विश्वयुद्ध से पूर्व की स्थितियां, लीग व्यवस्था राष्ट्र संघ–उत्पत्ति, अवधारणात्मक व राजनैतिक स्वरूप, प्रसंविदा के प्रावधानः संरचना व कार्य, राजनैतिक व सुरक्षात्मक प्रश्न, आर्थिक व सामाजिक सहयोग, राष्ट्रसंघ प्रयोग का एक मूल्यांकन,
दो विश्व युद्धों के मध्य के काल में प्रयासः डम्बरटन ऑक सम्मेलन, माल्टा व सनफ्रांसिस्को सम्मेलन व संयुक्त राष्ट्र संघ की उत्पत्ति

खण्ड – ब

संयुक्त राज्य संघ के मूलभूत सिद्धांत व मुख्य अंग, सुधारों की आवश्यकता, संयुक्त राष्ट्र संघ से संबंधित मूलभूत मुद्देः नेतृत्व का मुद्दा व प्रतिनिधित्व की समस्या; मतदान के नियम व प्रक्रियाएं, चार्टर में औपचारिक व अनौपचारिक संशोधन, वित्तीय समस्याएँ।
विवादों का शान्तिपूर्ण निपटाराः प्रक्रियाएं व पद्धतियाँ, सामूहिक सुरक्षा : चार्टर के प्रावधान व वास्तविक स्थितियां, शान्ति–निर्वहन, सामूहिक सुरक्षा व शान्ति–निर्वहन के विशिष्ट मामलों का अध्ययन।

खण्ड – ग

वैधानिक संगठनः 1945 से पूर्व वैधानिक विकास, अन्तर्राष्ट्रीय विधि के एक प्रलेख के रूप में चार्टर, अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय की भूमिका, अन्तर्राष्ट्रीय विधि आयोग, क्षेत्रीय संगठनः क्षेत्रीय संगठनों के स्वरूप, बहुउद्देशीय क्षेत्रीय संगठन, संयुक्त–राष्ट्र क्षेत्रीय आयोग।
नवीन अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था के विकास, मानव–अधिकारों को प्रथम व मानव–कल्याण के विकास में अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों की भूमिका, भारत व विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की भूमिका : संघर्षों व विवादों का समाधान, मानव–अधिकारों को प्रश्रय, विउपनिवेशीकरण, शान्ति–निर्वहन, शस्त्र–नियंत्रण व नाभिकीय परिसीमन।

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

12. International Organization

Section-A

The General and Basic Assumption of International Organisation Definition, Classification, Extent, Purpose, Powers, Different Approaches to International Organisation; Developments, before the First World War.

The League System.

The League of Nations-Genesis, Nature-Conceptual and Political, Covenant Provisions : Structure and Functions, Political and Security Questions, Economic and Social Cooperation; The league Experiment an Assessment

The Inter War Efforts—The Dumbarton Oaks Conference, Yalta and San Francisco Conference and the genesis of the United Nations.

Section-B

Basic Principles and Major Organs of the United Nations : Need for reforms.

Basic Issues of the United Nations-Membership Issue and Problems of Representation, Voting Rules and Practices, Formal and Informal Character Amendements and Financial Problems. Peaceful settlement of Disputes Procedure and Methods, Collective Security and peace-keeping. Character Provisions and realities, Ce Studies in Collective security and peace-keeping.

Section-C

The legal organisation - Legal Developments before 1945, the charter as in instrument of International Law-Role of International Court of Justice- International Law Commission.

Regional Organisations, Multipurpose Regional Organizations, U.N. Regional Commissions.

Role of International Organisations in the developments of new International Order, promotion of Human Rights, Development of Human Welfare.

India and the various international organisations; India's Role in the United Nations: Resolving, Conflicts and Crises, promotion of Human Rights, decolonizatioin, peace-keeping. Arms Control and Nuclear Proliferation.

Recommended Books:

Appadorai and Arora: India in the World Affairs 1957-58.

Bailey Sydney : The Procedure & the Security Council.

Bailey Sydney : The General Assembly of the UN-A, study of procedure and Practice.

Bannel Roy: International Organisation-Principles & Issues 1977.

Cox Robort (ed.) : Anatomy of influence. Decision-making in international Organisation.

13. दक्षिणी एशिया में शासन व राजनीति

अध्ययन में सम्मिलित देशों में से किसी विशिष्ट देश की राजनीतिक व्यवस्था इन तत्वों की उपस्थिति तथा उनकी तुलनात्मक प्रासंगिकता को ध्यान में रखते हुए सामान्यतः अग्रांकित बिन्दुओं को सम्मिलित किया जायेगा।

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

खण्ड–क

राजनीतिक व संविधानिक विकास के प्रमुख सीमा बिन्दु, पारिस्थितिकी व राजनीतिक संज्ञस्कृति : तत्व, प्रकृति व परिवर्तन काक्षेत्र
राजनीतिक व्यवस्थाओं की प्रकृति।

खण्ड–ब

राजनीतिक संस्थाएं व प्रक्रियाएं : राजनीतिक दल, दबाव समूह तथा निर्वाचन, विदेश नीति।

खण्ड : ग

आर्थिक विकास व सामाजिक परिवर्तन, राजनीति का स्वरूप : शैली व निर्धारक तत्व

13. Government and Politics in South Asia

The paper would broadly cover the following topics depending on their, Presence in the Political system under study and that also with a comparative relevance.

Section-A

Landmarks in Constitutional and Political development, Ecology and Political culture, Elements, Nature and extent of change.

Nature of political systems.
The outline of the Constitutional frame work.

Section-B

Political Institutions and Processes : Political Parties, Pressure Groups : elections, Foreign policy.

Section-C

Economic Development and Social Change.

Nature of Politics : Style and Determinants.

Recommended Books:

N. Palmer: Indian Political System
Khalid Bin Sayeed : The Political System of Pakistan.
Howard Wriggins : Ceylon-Dilemas of a New Nation.
Anirudh Gupta: Politics in Nepal.
Morris Jones : Government and Politics of India.
Karl Von Vorys : Political Development in Pakistan.
Mushtaq Ahmed: Government and Politics of Pakistan.
S. U. Kodikara: Indo-Ceyloie Relation since Independence Colomo, 19 .
V.R. Mehta: Indeology: Modernisation and Politics India.

14. भारत में लोक प्रशासन

खण्ड–क

भारतीय प्रशासन का उद्भव एवं विकास, ब्रिटिश प्रभाव व विरासत, सांविधानिक व्यवस्था व भारतीय प्रशासनः संसदीय प्रजातंत्र का कार्य–करण एवं क्षेत्र का विकास, संघवाद।
आर्थिक नियोजन व वित्त आयोग की विशिष्ट भूमिका के संदर्भ में भारतीय प्रशासन,

Raj Jain
Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

केबिनेट सचिवालय तथा गृह, विदेश व वित्त–मंत्रालयों के आन्तरिक संगठन के विशिष्ठ संदर्भ में केन्द्रीय प्रशासन का संगठन व कार्यकरण।

सचिवालय तथा सचिवालय–निदेशालय संबंधों के विशिष्ट संदर्भ में राज्य स्तर पर प्रशासन की रूपरेखा का अध्ययन।

खण्ड–ब

भारत में जिला प्रशासन का विस्तृत अध्ययन, संभागीय आयुक्त, जिला कलेक्टर तथा अन्य अधिकारी वर्ग की भूमिका, जिला स्तरीय राजस्व प्रशासन, विकास प्रशासन व पंचायती राजः उभरती हुई प्रवृत्तिया।

भारत में सार्वजनिक उद्यमों का प्रशासनः प्रबंधकीय समस्याओं व संभावनाओं के विभिन्न प्रारूपों का विस्तृत अध्ययन।

भारतीय नौकरशाहीः प्रवृत्ति व समस्याएं, भर्ती, प्रशिक्षण, सेवा–शर्ते, कार्मिक–नियोक्ता संबंध, सामान्यज्ञों व विशेषज्ञों के मध्य संबंध के विशिष्ट संदर्भ में अखिल भारतीय व राज्य सेवाओं की समस्याएं, भारत में प्रशासन पर नियंत्रणः संसदीय, मंत्रीय व न्यायिक, नागरिक व प्रशासन, लोकपाल व लोक आयुक्त की संस्था।

खण्ड : ग

वित्तीय प्रशासन–बजट का निर्माण, बजट की स्वीकृति व बजट का निष्पादन, वित्त पर संसदीय नियंत्रण, भारत का नियंत्रक व महा लेखा परीक्षक, आर्थिक नियोजन व भारतीय प्रशासनः योजना आयोग का संगठन व भूमिका, राष्ट्रीय विकास परिषद की भूमिका, आर्थिक नियोजन की चुनौति के संदर्भ में प्रशासन में सुधार, भारत में प्रशासनिक सुधारों के लिए प्रयास एवं नीति आयोग।

14. Public Administration in India

Section-A

Evolution of Indian Adminstration; British influence and its regaci

Constitutional System and Indian Administration : working parliamentary democracy and regional development, Federalism. Indi Administration with social reference to economic planning and role Finance Commission.

Study of organisation and working of the Central Administration with special reference to Cabinet secretariat and working arid internal organisatic of the Ministeries of Home, External Affairs and Finance. Outline study of Administration at the State level with special reference to the Secretariat, Secretarial-Directorate Relationship.

Section-B

A detailed study of District Administration in India, the role of Divisional Commissioner, Collector and other officials, District Level Revenue Administration, Development Administration and Panchayati Raj, The Emerging patterns.

Administration of Public enterprises in India, A detailed study of the various patterns of Management Problems, and prospects.

Indian Bureaucracy: Its nature and problems, recruitment, training, service conditions, employer-employee relations, the problems of All India and State

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

Services with special-reference to relationship between generalist and specialist, Control over Administration in India: Parliamentary, Ministerial and Judicial, citizen and Administration, Institution ofLokpal and Lokayukta.

Section-C

Financial Administration-formulation of budget, approval of budget and execution of budget, Parliamentary control over finance, controller and Auditor General of India.

Economic Planning and Indian Administration: Organization and role of Planning Commission in India, role of National Development Council, Administrative improvement in view of the challenges of economics planning, Efforts for Administrative Reforms in India and NITI Aayog.

Recommended Books :

Ashok Chanda: Indian Administration.

V.A. Pai Panadikar: Personnel System for Development Administration. . A.D. Gorwala: Report on Public Administration (Planning Commission 1951).

Paul H. Apple by: Public Administration in India. Report of Survey.

Paul H: Re-examination of India's Administrative system (Government of India 1956).

S. S. Khera: Gov'rnment Business (Asia, 1963).

S.S. Khera : District Administration in India (Asia, 1963).

Bailey. D.H. Police and Political Development in India.

Sharma P.D. Police & Political Development in India.

Sharma P.D. Police & Political Order in India.

I.I.P.A. Organistatin of Government of India.

M. Ruthanaswami :Some influences that made the British Admn. System in India.

Dodwoll Cambridge History of India.

K. Santhanam : Union-State Relation in India.

Amal Ray : Inter-Government Relations in India.

Ashok Chanda : Federalism in India.

P. Dwarka Dass : Service Role of High Civil Service in India.

N. C. Roy : The Civil Service in India (Calcutta, 1960).

M. Mutallib : The Union Public Service Commission (IIPA, 1967).

Avasthi & Verma: Aspects of Administration, (Allied, 1966).

John B. Monterio : Curruption (Manaktala, Bombay, 1964).

Paul H. Appleby: Public Administration for a Welfare State.

15. भारत में जिला प्रशासनः पंचायतीराज के विशिष्ट संदर्भ में

खण्ड–क

भारत में जिला प्रशासन का उद्विकास, जिला प्रशासन की विशेषताएं और महत्व; प्राचीन काल से लेकर स्वातंत्रोत्तर काल तक पंचायती राज संस्थाओं की उत्पत्ति व उद्विकास;

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

बलवंत राय मेहता समिति का प्रतिवेदन का विभिन्नराज्यां में उसकी क्रियान्विति, विभिन्नराज्यों में पंचायतीराज के विशिष्ट प्रतिमान।

खण्ड–ख

जिला प्रशासन का संगठनात्मक प्रारूप; राजस्व, नियमन व विकास के संदर्भ में जिला कलेक्टर की भूमिका; जिला कलेक्टर का अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों से संबंध; राजस्थान में जिला; खण्ड व ग्राम स्तर पर पंचायतीराज संस्थाओं का संरचनात्मक प्रारूप व कार्यकरण।

जिला स्तर पर नियोजन तंत्र तथा नियोजन प्रक्रिया; जिला स्तर पर जन अभियोगों के निराकरण की व्यवस्था; सेवाओं के स्तर के निर्वाह व कानून व व्यवस्था के निर्वहन में संभागीय आयुक्त की भूमिका; जिला प्रशासन व पंचायतीराज संस्थाओं द्वारा सम्पन्न की जाने वाली विकास गतिविधियां।

खण्ड–ग

जिला कलेक्टर व पंचायती राज; पंचायती राज व्यवस्था के अधीन सरकारी व गैर–सरकारी तत्वों के मध्य संबंध; पंचायतीराज संस्थाओं की स्वयत्ता व उन पर नियंत्रण, जिला प्रशासन व पंचायतीराज की उभरती प्रवृतियां एवं शासकीय योजनाए। (मनरेगा)

15. District Administration in India with special reference to Panchayati Raj.

Section A

Evolution of District Administration in India; Characteristics and significance of district administration; origin and evolution of Panchayati Raj since ancient are to post-independence; B.R. Mehta Committee report and its implementation in difference states; Different models of Panchayati Raj in various states.

Section B

Organisational structure of District administration; Functions and role of District collectors in Revenue; Regulatory and development field; Relationship of District Collector with district. Level functionaries; Structural patterns and working of Panchayati Raj . institutions in Pijasthan at district, block and village levels.

District planning machinery and planning process; Districts Rural Development Agency; Machinery for the redressal of public Grievances at the district; Role of Divisional Commissioner in maintenance of standards of services, maintenance of law and order, development activities carried out by District Administration Panchayati Raj institution.

Section-C

District collector and Panchayati Raj; official-Non official relationship under Panchayati Raj Systems; Autonomy and control over Panchayati Raj institutions, Problem areas and need for reforms of district administrations and Panchayati Raj institutions; Energing trends in district administration and Panchayat Raj. Administrative chemes: MGNRGA.

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

Recommended Books:

MG. Shukia: Administrative Problems of Public Enterprises in India.
D.R. Gadgil : Planning & Economic Policy in India.
A. Ghosh : New Horizons in Planning.
B. Mukherjee : Community Development in India.
M. Bhattacharya : Municipal Government.
S.S. Khera : District Admnistration.R.B. Jain and T.N. Chaturvedi : District Administration in India.
A.D. Gorwala : Report on Efficient Conduct of State Enterprises in India.
I.I.P. : Report of Seminar on Administration of State Enterprises.
Malenbaum : Prospects of Indian Development.
Balvant Rai Mehta Committee Report.
Report on the Working of Panchayati Raj in India.

16. तृतीय विश्व के देशों में तुलनात्मक शासन व राजनीति

खण्ड – क

तुलनात्मक शासन व राजनीति के सिद्धांत के सीमा चिन्ह, प्रकृति व उप–क्षेत्र। तुलनात्मक पद्धति व उसकी अनुप्रयुक्ति। विकासशील क्षेत्रों की राजनीति के अध्ययन के उपागम : (1) ईस्टन की राजनीतिक व्यवस्था (2) ऑमण्ड का संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम और (3) राजनीतिक विकास उपागम तथा उसके पक्ष–पोषक।

खण्ड – ख

विकासशील क्षेत्रों की राजनीतिक का समाजशास्त्रीय संदर्भ : विकासशील समाजों में परिवर्तन व आधुनिकीकरण की भूमिका; परिवर्तन तथा उसके माध्याभूत आधुनिकीकरण का संस्थायीकरण; सामाजिक परिवर्तन व राजनीतिक विकास।

खण्ड – ग

राजनैतिक दल; दबाव व हित समूह। राजनीतिक अभिजनः उनकी भर्ती तथा आधुनिकीकरण व राजनीतिक विकास में भूमिका। नौकरशाहीः विकास प्रशासन, उत्प्रेरित परिवर्तन की समस्याएँ। सेना व राजनीतिक विकास। राजनीतिक विकास का आर्थिक संदर्भ। राष्ट्रीय पहचान एवं राजनीतिक एकीकरण की समस्या तथा विदेश नीति।

16. Comparative Government and Politics in Countries of the Third World.

Section-A

Landmarks in the Development, of the Theory of Comparative Government and Politics—'Its nature, and sub-fields. The Comparative Method and its application. Approaches to the study of politics of developing areas (i) Easton's Political approaches (ii) Almond's Structural-Functional analysis and (iii) Political Development framework and its advocates.

Section-B

Sociological context of the politics of developing areas : problem of change and modernization in developing societies role of tradition, ideology and industrialization

Raj Jain
Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

in change; Institutionalization of change and its media modernization; Social change and Political development.

Section-C

Political parties, pressure and interest groups. Political elite: their recruitment and role in Modernization and Political development. Bureaucracy development administration, Problems of induced change. Military and Political Development. The Economic Context. of Political Development. Problem of National Identity and Political Integration and Foreign Policy.

Recommended Books:

Almond and Powell: Comparative Politics, A Development Approach. David B. Apter : The Politics of Modernization.
Joseph La. Palambara and Myron Weinere: Political Parties and Political Development.
Joseph La Palambara (ed): Bureaucracy and Political Development. . Lucian W. Pye : Aspects of Political Development.
Gabriel A. Almond and James S. Coleman (Eds.) : The Politics of Developing Area.
Rajni Kothari : Politics in India.
Philip Mason (Ed.) : Unity and Diversity: India and Ceylon.

17. भारत में राज्य–राजनीति

खण्ड–क

पृष्ठभूमि : ब्रिटिश भारत और देशी रियासतों में राष्ट्रवाद व प्रजातंत्र के विकास की प्रवृतियाँ; भाष्ज्ञायी राज्य : संरचना, गठन व परिणाम।

खण्ड–ख

राज्यों के शासन का संविधान प्रारूप : राज्यपाल का पद, मुख्यमंत्री व मंत्रिपरिषद, राज्य विधान मण्डल। राजनैतिक दल व आम चुनाव; दलीय गठबंधनों का प्रारूप; आम चुनावों में सफलता व क्षति; राज्यों में नेतृत्व के प्रारूप।

खण्ड–ग

चैम्बर्स ऑफ कामर्स व श्रमिक संघों के विशेष संदर्भ में भारत में प्रमुख दबाव समूह; भारत में जनमत; समाचारपत्रों की भूमिका व प्रभाव, राज्य–राजनीति में जाति, धर्म, क्षेत्र व भाषा की भूमिका

17. State Politics in India.

Section-A

Background : Trend in the go'th Of Nationalism and Democracy British, India and Princely States; Linguistic States-Structure-Organization and aftermath.

Section-B

Constitutional Framework of Governance of States : Office of the Governor, Chief Minister and council of Ministers, State Legislature; Political Parties and general

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

elections; the pattern of party alliances; gains and short- fa11s in general elections; Patterns of leadership in states.

Section-C

Major Pressure Groups in India with special reference to Trade Unions Chambers of Commerce; Public opinion in India; the Media its role and ünpact; Role of Caste, Religion, Region and language in State Politics.

Recommended Books:

Iqbal Narain & Other (Eds.) : State Politics in India.
Ganvile Austin: The Indian Constitution :,Comer Stone of a Nation.
VP. Menon : The Story of the Integration of Indian States..
K. Santhanam : Union-State Relations in India. H.M. Jam: State Governments.
A.R. Desai : Social Background of Indian Nationalism.
Harish Chandra : Bharat main Rajyon ki Rajneeti.
C.H. Phillips (Ed.) : Politics and Society in India.
Rajni Kothari & others : Party System and Electien Studies.
R.L. Hardgrave : The Dravidian Movement.
Ramkirshan Nair : How the Communists Came to Power in Kerala. .
G.K. Bhargava: After Nehru-India's New Image.
M.A. ihangiani : Jana Sangh and Swatantra.
E.M.S. Nambodripad : The National Question in Kerala.
L.P. Sinha : The Left in India.
Sission : The Congress Party in Rajasthan.

18. भारत में निर्वाचनिक राजनीति

खण्ड–अ

राष्ट्रीय राजनीतक दल–उद्भव आम चुनाव कार्यक्रमों का प्रारूप; संरचना और संगठन। क्षेत्रीय राजनीतिक दल : उद्भव; विगत सोलह आम चुनावों के माध्यम से कार्यक्रमों में परिवर्तन का प्रारूच्य; संरचना और संगठन एवं निर्वाचन आयोग की बदलती भूमिका

खण्ड – ब

राजनीतिक दल और आम चुनाव; गठबंधनों का प्रारूप; आम चुनावों के माध्यम से दलों की सफलता व क्षति।

खण्ड – स

चैम्बर ऑफ कॉमर्स व श्रम–संगठनों के विशेष संदर्भ में भारत में दबाव सूह; भारत में लोकमत; लोकमत के निर्माण व अभिव्यक्ति में मीडिया की भूमिका।

18. Electoral Politics in India.

Section A

National Political Parties : Origin, the pattern of programmes and general elections; structure and organization and Changing role of Election Commission of India.

Raj | Jaij

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

Regional Political Parties. Their origin, the change in pattern of their programme through the sixteen general elections-structure and organization.

Section B

Political Parties and general election, the pattern of alignments, gains and shortfalls through the general elections.

Section C

Major pressure groups in India with a special reference to Trade Unions, Chamber of Commerce, Public opinion in India, the role of media in its formation and expression.

Recommended Books:

Myron Weiner-Party System in India.
Myron Weiner-Politics of Scarcity.
Myron Weiner-State Politics in India.
L.P. Sinha-The Left in India.
VM. Sirsikar-Political Behaviour in, India.
R.L. Hargrav-The Dravidian Movement.
Richard L. Park & Tinker-Leadership and Political Institution in India. .
S.V Kogekar and Richard L. Park-Reports on the Indian General Elections.
G.D. Over street & Marshall Windnuller-Communism in India.
S.L. Popali-National Politics and 1957 Elections in India.
M. Pattambhiram-General Elections in India, 1967.
Rajni Kothari-Caste in Indian Politics.
Rajni Kothari-Politics in India-
Subhash C. Kashyap-Politics of Defection.
Ramdas G. Bhjatkal (Ed.)-Political Alternatives in India.

19. राजनीतिक समाजशास्त्र

खण्ड – क

राजनीतिक समाजशास्त्र का परिचयः राजनीति के सामाजिक आधार के अध्ययन के रूप में राजनीतिक समाजशास्त्र, राजनीतिक समाजशास्त्र का विकास, राजनीतिक व्यवहार के विश्लेषण के लिए प्रतिमान। मानकात्मक उपागम, व्यवस्था उपागम।

खण्ड – ख

पारसन्स और ईस्टन (सामान्य व्यवस्था सिद्धांत), कार्ल डॉयच (सूचना सिद्धांत), आमण्ड (राजनीतिक संस्कृति), सामाजिक और राजनीतिक संरचना : राजनीतिक–एक सामाजिक उप–व्यवस्था के रूप में; राज–व्यवस्था की संस्थागत अभिव्यक्ति : राज्य, सरकार और राष्ट्र सरकार के प्रकार : पर आधारित प्रारूप और नौकरशाही राजनीतिक व्यवहार : सामाजिक स्तरीकरण और राजनीतिक सहभागिता (अभिजनों के विशेष संदर्भ में), राजनीतिक समाजीकरण, दलीय राजनीति (मिशेल्स, डूवर्जर और डाहल का योगदान), भारत में मतदान, राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन; आधुनिकीकरण : परिभाषा

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

औरउपागम (लर्नर, आप्टर, लेवी और हंगिटन के विशेष संदर्भ में भारत में परम्परा और आधुनिकीकरण, संचार और आधुनिकीकरण : संचार, परिभाषा, कार्य और प्रभाव, संचार की कार्यनीतियां, राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय एकीकरण (भारत के विशेष संदर्भ में))

खण्ड – ग

आधुनिक राजनीतिक वश्लिेषण की प्रविधियां : मानकीय और अनुभवपरक शोध; सर्वेक्षण शोध के तत्व; पेनल अध्ययन;

विषय विश्लेषण, गेलप पोल, समुच्चय विश्लेषण; भारत में राजनीतिक समाजशास्त्र; शोध का सर्वेक्षण और नवीन प्रवृतियां

19. Political Sociology

Section-A

Introducing Political Sociology : Political Sociology as Study of 1 Social bases of Politics. Growth of Political Sociology. Models for the Analysis of Political Behaviour. Normative Approach, System Approach.

Section-B

Parsons and Easton (General systems), Karl Deutsch (Information hcory), Almond (Political Culture) Polity and Social Structure : Polity as a Social Sub-System. institutional manifestations of Polity : State, Government and Nation. Forms of Government: Topology based on Legitimacy Bureaucracy. Political Behaviour.: Social Stratification and Political Participation (with special reference to Elites) : Political Socialization. Party Politics (contributions of Michels, Durveger and Dahl). Voting in India. Political and Social Change : Modernization : Definition and approaches (esp. Lerner, Apter, Levy and Huntington). Traditional and Modernity in India. Communication and Modernization: Communication, Definition, function and effects, Strategies of Communication. Nation-Building and National Integration (with special reference to India).

Section-C

Methodology of Modern Political Analysis: Normative and Empirical Research. Elements of Survey Research Panel studies. Content Analysis, Gallup Polls aggregate analysis.

Political Sociology in India: Survey of Research and Current Trends.

Recommended Books:

S.M. Lipset: Political Man.

K.W. Deutsch: The Nerves of Government

W.J.M. Mackénizie: Politics and Social Science.

Robert Dahl : Modem Political Analysis.

H. Euler (Ed.) : Political Behaviour.

H. Eular : Behavioural Persuasion in Politics.

Rajni Kothari : Politics in India.

G.E. Almond : Comparative Politics-A Development Approach. .

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

W. Korñhauser : Politics of Mass Society.
H. Hyman : Political Socialization and Political Development.
D. Lerner : The Passing of Traditional Society.
Rajni Kothari (Ed.) : Caste in Indian Politics.
Marion J. Levy. : Modernization and the Structured Societies.
David Apter : The Political of Modernization.
Robert Michels : Political Parties.
Maurice Duverger : Political and Parties.
Eric. A. Hordiner (ed.) : Polities and Society.
T.B. Bottomore : Elites and Society.
L.T. Rudolph & Sussan Rudolph : The Modernity of Tradition.
Owen M. Lynch : The Politics of Untouchability.
Myron Weiner: Party Politics in India.

20. महिला, शासन एवं राजनीति

खण्ड–क

राजनीतिक सिद्धान्त में लैंगिक विषय, सेक्स एवं जेन्डर, समाजवादी, मार्क्सवादी एवं उग्र नारीवाद, नवीन नारीवादी सिद्धान्त। भारत में महिला आन्दोलन का इतिहास।

खण्ड–ख

महिला एवं शासनः शासन एवं लैंगिक (जेन्डर) संरचनाऐं, शासन में लैंगिक विषय एवं सुशासन में महिलाओं की भूमिका। राजनीतिक सहभागिता एवं महिलाऐंः स्थानीय स्वशासन में महिलाओं की सहभागिता। स्थानीय शासन में लैंगिक अंकेक्षण एवं लैंगिक बजट निर्माण।

खण्ड–ग

महिला एवं राजनीतिः संसद एवं विधान सभा में राजनीतिक प्रतिनिधित्व में लिंग असंतुलन, मतदान व्यवहार एवं चुनाव प्रक्रिया का लैंगिक परिप्रेक्ष्य, राजनीति में महिलाओं की सहभागिता के अवसर एवं बाधाएं। भारत में महिला एवं आरक्षण

20. Women, Governance and Politics

Section-A

Issues of Gender in Political Theory, Sex and Gender, Liberal, Socialist, Marxist, Radical Feminism, New Feminist Schools. History of the Women's Movement in India.

Section-B

Women and Governance: Governance and Gender Structures; Gender Issues in Governance and Role of Women for Good Governance; Women's Participation in Local Self Governance; Gender Auditing, and Budgeting in Local Governance.

Raj Tau

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur

Section-C

Women and Politics: Gender Imbalance in Political Representation in Parliament and Legislative Assembly; Gender Perspectives of Voting Behaviour and Electoral Process; Opportunities and Constraints to Women's Participation in Politics. Women and Reservation in India.

Recommended Books :

Ambedkar, S. N. and Nagendra, Shilaja, Women Empowerment and Panchayati Raj. Jaipur: ABD Publishers. (2005)

Brush, Lisa D., Gender and Governance. New Delhi: Rawat Publications. (2007)
Jha, Ashok Kumar, Women in Panchayat Raj Institutions. New Delhi: Anmol Publications Pvt.Ltd. (2004)

Jha, Deepika, Women in World Politics. New Delhi: Pearl Books. (2010)
Nandal, Roshini, Women Development and Panchayati Raj. Rohtak: Spellbound Publications Pvt. Ltd, (1996)

Saxena, Alka, Role of Women in Reservation Politics. New Delhi: Altar Publishing House. (2011)

Saxena, Alka, Situational Analysis of Women in Politics. New Delhi: Altar Publishing House. (2011)

Saxena, Alka, Women and Political Leadership. New Delhi: Altar Publishing House. (2011)

Panda, Smita Mishra (ed.), Engendering Governance Institutions: State, Market and Civil Society. London: Sage Publications. (2008)

Singh, Narpat, Changing Status of Women. Delhi: Vista International Publishing House. (2008)

Singh, Preeti, Women and Politics Worldwide. New Delhi: Axis Publications. (2010)

Dy. Registrar (Academic-I)
University of Rajasthan
Jaipur